शनिवार
30 मई
वर्ष-1
अंक-18

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12
₹ 04
RNI No.-JHHIN/26/A3481
www.raftaarmedia.com

नीट पेपर लीकः एनटीए को "सुप्रीम" फटकार

एनटीए को यूपीएससी से सीखने की जरूरत, यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं होता, जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगीः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

नीट पेपर लीक मामले में पिछले 20 दिनों से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य ने एनटीए को भंग करने के लिए याचिकाएं लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से सवाल किया कि यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद एनटीए पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो। केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-पीजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। नीट-यूजी री-टेस्ट के लिए नए तरीके अपनाए गए हैं।

देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- सुधार के बावजूद नाकामी क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में नीट पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई।

केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगीः कोर्ट

कोर्ट ने कहा- एनटीए अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एनटीए को आईआईटी और दूसरे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस नरसिम्हा, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और कमेटी की ओर से राधाकृष्णन सुनवाई में शामिल हुए।

जस्टिस नरसिम्हाः हाई पावर्ड कमेटी के बावजूद पेपर लीक जैसी घटना कैसे हुई? गड़बड़ी सिफारिशों में थी या इम्प्लीमेंटेशन में।

राधाकृष्णनः कमेटी ने 35 लॉन्ग टर्म और 60 शॉर्ट टर्म सुझाव दिए थे, ज्यादातर लागू हो चुके हैं।

जस्टिस नरसिम्हाः अगर तैयारी थी तो नीट-यूजी में फिर समस्या क्यों हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने को दी अनुमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महिला कुश्ती पहलवान विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के लिए 30 मई से होने वाले ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वो दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में कोई दखल नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय ने भले ही विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के लिए 30 मई से होने वाले ट्रायल के लिए अनुमति दे दी लेकिन इस बात पर एतराज जताया कि उन्होंने डोपिंग टेस्ट को मिस किया और वो कहां है इसे लेकर भारतीय कुश्ती संघ को अंधेरे में रखा। तीन जून 2025 को आपने सूचित किया कि आपकी छुट्टी समाप्त हो गई है और आप काम शुरू करेंगी।

हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखेंः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने देश भर के उच्च न्यायालय में लंबित मामलों और फैसलों पर चिंता जताते हुए एक दिशा-निर्देश जारी किया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि जिन मामलों में फैसला सुरक्षित हो जाए, उनमें अधिकतम तीन महीने के अंदर फैसला सुना दिया जाए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जमानत से जुड़े मामलों में आदेश आदर्श रुप से अगले दिन जारी किए जाएं और उसी दिन जेल प्रशासन तक पहुंचाया जाए। उच्चतम न्यायालय ने ये भी कहा कि जिन विचाराधीन कैदियों को जमानत मिल चुकी है, उनकी रिहाई उसी दिन या अधिकतम अगले दिन सुनिश्चित की जानी चाहिए। कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कोर्ट पहले अपने आदेश का प्रभावी हिस्सा खुली अदालत में सुनाएगी और विस्तृत कारण सात दिनों के भीतर वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। कोर्ट ने ये भी कहा कि जिस दिन फैसला सुरक्षित रखा गया हो उसकी जानकारी भी संबंधित उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।

जोजरी नदी प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, अधिकारी की जवाबदेही तय करने का आदेश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान की जोजरी नदी में प्रदूषण के मामले पर सख्ती दिखाते हुए प्रदूषण के लिए जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य के डीजीपी को एफआईआर दर्ज करने औ? एसआईटी जांच कराने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया कि इस पूरे मामले में ऊपर से लेकर नीचे तक सभी अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जांच सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि आखिर जोजरी नदी की यह हालत कैसे हुई। उच्चतम न्यायालय ने ये भी साफ कर दिया कि अगर कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं हुआ, तो अवमानना की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने 17 नवंबर, 2025 को जोजरी नदी में प्रदूषण को हटाने को लेकर राजस्थान सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि हम सुनिश्चित करेंगे कि एनजीटी के आदेश से आगे कुछ ठोस कदम उठाए जाएं।

पोर्टल खुलेगाः सीबीएसई 12वीं के छात्र 1 जून से री-इवैल्यूएशन करा पाएंगे

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने घोषणा की है कि बोर्ड परीक्षा परिणामों के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए पोस्ट-रिजल्ट एक्टिविटीज पोर्टल अब एक जून 2026 से संचालित किया जाएगा। बोर्ड ने कहा कि यह निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीकी रूप से सुचारु और मूल्यांकन के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। सीबीएसई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि जिन छात्रों को अपने परिणामों को लेकर कोई आपत्ति या संदेह है, वे निर्धारित पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। छात्रों की सुविधा के लिए बोर्ड ने टेली-काउंसलिंग हेल्पलाइन 1800-11-8004 और ईमेल भी जारी किया है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर छात्रों और अभिभावकों की ओर से कई शिकायतें सामने आई थीं।

तकनीकी गड़बड़ियों, पोर्टल के बार-बार ठप होने तथा उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी में त्रुटियों को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हुई थी। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विशेषज्ञों की मदद से पोर्टल की तकनीकी खामियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि पोर्टल को अतिरिक्त तकनीकी मजबूती प्रदान की जा रही है ताकि बड़ी संख्या में आने वाले आवेदनों का बिना किसी बाधा के निपटान किया जा सके। बोर्ड ने छात्रों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है।

पंजाब निकाय चुनाव में आप की एक तरफा जीत, दूसरे नंबर पर रही कांग्रेस

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजों में आम आदमी पार्टी ने एक तरफा जीत हासिल की है। राज्यभर में कुल 1,897 वार्डों में से 1000 से ज्यादा में आप ने जीत दर्ज की। 355 वार्डों में कांग्रेस को जीत मिली, जबकि 180 पर शिअद ने बाजी मारी। 251 वार्डों पर निर्दलीय या अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों ने परचम लहराया। भाजपा 153 वार्डों में जीत के साथ पांचवें नंबर पर रही। चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार निकाय चुनावों में कुल 80 उम्मीदवार निर्विरोध विजेता घोषित किए गए थे। इनमें सबसे अधिक 63 उम्मीदवार आम आदमी पार्टी के हैं। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल के 9, कांग्रेस का 1 और 7 निर्दलीय उम्मीदवार बिना मुकाबले चुनाव जीत चुके हैं। मोहाली समेत आठ में से छह नगर निगमों पर आम आदमी पार्टी ने कब्जा किया है, जबकि कपूरथला में कांग्रेस और अबोहर में भाजपा को बहुमत मिला। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे आप की नीतियों, मुफ्त बिजली जैसे फैसलों की जीत करार दिया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता अभी भी पार्टी की पारंपरिक पकड़ और स्थानीय नेतृत्व पर भरोसा कर रही है। कई अन्य जिलों में भी कांग्रेस उम्मीदवारों ने कड़ी टक्कर दी है।

अकाली दल व भाजपा ने दर्ज कराई उपस्थिति

सीमावर्ती और व्यापारिक क्षेत्र अबोहर में भारतीय जनता पार्टी ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बहुमत हासिल किया है। भाजपा नेताओं ने इसे शहरी वोटरों में पार्टी की बढ़ती स्वीकार्यता बताया है। शिरोमणि अकाली दल के लिए यह चुनाव काफी चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। पार्टी कई पारंपरिक क्षेत्रों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि संगठनात्मक कमजोरी और बदलते शहरी वोट बैंक ने अकाली दल को नुकसान पहुंचाया है। निकाय चुनाव में कुल 35 लाख 683 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे, जिनमें से 22 लाख 38 हजार 241 मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें 11 लाख 66 हजार 559 पुरुष, 10 लाख 71 हजार 604 महिलाएं तथा 78 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल रहे। नगर निगमों में कुल 396 वार्डों और 1,091 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। यहां 1,613 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। नगर निगम क्षेत्रों में कुल 10 लाख 71 हजार 403 मतदाताओं में से 6 लाख 41 हजार 930 लोगों ने मतदान किया, जिससे मतदान प्रतिशत 59.91 दर्ज किया गया। वहीं 75 नगर परिषदों के 1,283 वार्डों में 5,141 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे। नगर परिषद क्षेत्रों में कुल 22 लाख 87 हजार 637 मतदाताओं में से 14 लाख 88 हजार 408 लोगों ने वोट डाले। यहां मतदान प्रतिशत 65.06 रहा। सबसे अधिक मतदान नगर पंचायतों में दर्ज किया गया। 19 नगर पंचायतों के 218 वार्डों में 800 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा।

लू संकट पर एनजीटी ने लिया स्वतः संज्ञान, केंद्र, राज्यों से मांगी कार्ययोजना

नई दिल्ली/एजेंसी

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने देश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू संकट को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी ने माना कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ता तापमान पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा है। इस मामले में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जलशक्ति मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों को पक्षकार बनाया गया है। सभी संबंधित पक्षों को अगली सुनवाई से पूर्व अपना जवाब और कार्ययोजना शपथपत्र के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त 2026 को होगी। न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव (अध्यक्ष) और डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने टिप्पणी की कि लू भारत की सबसे कम पहचानी गई पर्यावरणीय आपदाओं में से एक बनती जा रही है।

मानसून में देरी पर कृषि मंत्री ने राज्यों को आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने के दिए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली/एजेंसी

मानसून में देरी और अल नीनो जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर व्यापक आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। चौहान ने कहा कि सरकार ने किसानों को कम समय में पकने वाले बीजों की उपलब्धता और समय पर कृषि सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीज की उपलब्धता पर्याप्त है।

चौहान ने शुक्रवार को पूसा में पत्रकारों से कहा कि अच्छा बीज कृषि उत्पादन की पहली और सबसे जरूरी शर्त है। देश में बीज की पर्याप्त उपलब्धता होने के बावजूद भी कई बार सही समय पर किसान तक बीज नहीं पहुंच पाता, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सभी राज्यों से कहा कि वे समय पर ब्रीडर सीड और अन्य आवश्यक बीज उठाएं, वितरण व्यवस्था मजबूत करें और यह सुनिश्चित करें कि खरीफ सीजन में किसानों को सही बीज समय पर मिले। खराब गुणवत्ता वाले बीज किसी भी हाल में बाजार में नहीं जाने चाहिए और इसके लिए प्रभावी निगरानी तथा सख्त कार्रवाई जरूरी है। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बीज भंडार की व्यवस्था की गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों तक तुरंत बीज पहुंचाया जा सके। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे कम वर्षा या अन्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए जिला स्तर तक तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि खेत बचाओ अभियान केवल विभागीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी वाला व्यापक अभियान है। एक से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान में जनप्रतिनिधि, वैज्ञानिक, अधिकारी और किसान मिलकर खेत-स्तर पर जागरूकता बढ़ाएं। गांवों में छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य, संतुलित खाद उपयोग, बेहतर बीज, सही कीटनाशक, केसीसी, किसान योजनाओं के लाभ और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाई जाए।

कोयलांचल में मौसम का यू-टर्न: सुबह दो घंटे की झमाझम बारिश और तेज हवाओं ने भीषण गर्मी से दिलाई राहत

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता
खलारी। : पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप का सामना कर रहे कोयलांचल के लोगों के लिए आज की सुबह बड़ी राहत लेकर आई। सुबह-सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदला और करीब दो घंटे तक तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। इस बेमौसम बारिश ने जहां बढ़ते पारे पर ब्रेक लगा दिया है, वहीं लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

धूल और कोयले के गुबार से मिली मुक्ति

आमतौर पर मई-जून के महीने में कोयलांचल की गर्मी कोयले की आग और धूल के कारण और भी असहनीय हो जाती है। लेकिन आज सुबह हुई तेज बारिश ने पूरी फिजा को बदल दिया। सड़कों पर उड़ने वाली कोयले की डस्ट शांत हो गई है और मौसम सुहाना हो गया है। तापमान में अचानक आई इस गिरावट से लोगों के चेहरे खिल उठे हैं।

बिजली गुल, लेकिन मौसम सुहाना

बारिश के साथ चली तेज हवाओं के कारण सुरक्षा के लिहाज से कई इलाकों में बिजली काट दी गई। कुछ जगहों पर पेड़ की टहनियां गिरने की भी खबर है। बिजली गुल होने के बावजूद लोगों को गर्मी का अहसास नहीं हुआ और लोग अपने घरों की छतों और बालकनी में सुहाने मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए।

मौसम विभाग का अनुमान:

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, स्थानीय स्तर पर बने कम दबाव के क्षेत्र और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण यह बदलाव देखा गया है।
आने वाले 24 से 48 घंटों में आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है, जिससे तापमान नियंत्रण में रहेगा।

आम जनता ने ली राहत की सांस

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सुबह की इस बारिश ने झुलसाने वाली गर्मी से वैसी ही राहत दी है जैसी किसी मरुस्थल में पानी की बूंदें देती हैं। दोपहर में जो सड़कें सूनी हो जाया करती थीं, वहां मौसम सुहाना होने के बाद लोगों की चहल-पहल थोड़ी बढ़ गई है।

खलारी में 2 जून को लगेगा विशेष जीएसटी और जेपीटी पंजीकरण शिविर, अनिबंधित व्यवसायियों को मिलेगा सीधा मौका

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी : वाणिज्य कर विभाग, झारखंड सरकार के राज्य-कर संयुक्त आयुक्त (पश्चिमी अंचल, राँची) कार्यालय द्वारा खलारी प्रखण्ड क्षेत्र के व्यापारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया गया है। आगामी 2 जून दिन मंगलवार को खलारी एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों के अनिबंधित व्यवसायियों के लिए एक विशेष जीएसटी और जेपीटी पंजीकरण कैम्प/शिविर का आयोजन किया जा रहा है।आधिकारिक पत्र (पत्रांक 183) के अनुसार, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त (पश्चिमी अंचल, राँची) ने खलारी के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी से संपर्क कर प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय परिसर में शिविर के सफल संचालन के लिए एक उपयुक्त स्थान या हॉल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। क्षेत्र के छोटे और मध्यम वर्ग के अनिबंधित व्यापारियों को जीएसटी और झारखंड पेशेवर कर के दायरे में लाकर उनका ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण करना।

व्यापारियों को मिलेगा लाभ:

यह शिविर सुबह 11:00 बजे से शुरू होगा, जहाँ विभाग के विशेषज्ञ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन व्यापारियों को कर प्रणाली से जोड़ना है जो अब तक पंजीकृत नहीं हो पाए हैं। आधिकारिक पंजीकरण होने से स्थानीय व्यापारियों को न सिर्फ कानूनी मान्यता मिलेगी, बल्कि वे भविष्य में सरकारी ऋण, सब्सिडी और विभिन्न व्यापारिक योजनाओं का लाभ भी आसानी से उठा सकेंगे।स्थानीय व्यापारिक संगठनों ने इस प्रशासनिक पहल का स्वागत किया है और क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े दुकानदारों व व्यवसायियों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों (जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, दुकान का पता प्रमाण आदि) के साथ इस शिविर में पहुँचकर लाभ उठाएं।

जिले के विभिन्न पंचायतों में वरीय पदाधिकारीयों द्वारा आज चलाया जांच अभियान

सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखेंगे वरीय पदाधिकारी, कई योजनाओं की होगी समीक्षा

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर शनिवार को जिले के विभिन्न पंचायतों में व्यापक जांच अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के सशक्त पर्यवेक्षण और नियमित अनुश्रवण को सुनिश्चित करना है। इसके लिए प्रखंडवार वरीय पदाधिकारियों को नामित किया गया है, जो संबंधित पंचायतों में पहुंचकर योजनाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, मनरेगा योजनाएं, प्रधानमंत्री एवं राज्य आवास योजनाएं, स्वास्थ्य

एवं उप स्वास्थ्य केंद्र, 15वें वित्त आयोग से संबंधित कार्य, कल्याण छात्रावास तथा प्रशिक्षण संस्थानों की जांच की जाएगी। इसके अलावा संचालित योजनाओं की गुणवत्ता, लाभुकों को मिलने वाली सुविधाओं एवं कार्यों की प्रगति का भी आकलन किया जाएगा। अधिकारियों को निर्धारित प्रपत्रों में जांच प्रतिवेदन तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही योजनाओं में पाई जाने वाली कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। जांच अभियान की संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी उप विकास आयुक्त, जामताड़ा द्वारा की जाएगी। प्रत्येक शनिवार की संध्या में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। शनिवार को प्रखंड जामताड़ा के दक्षिणबहाल एवं पंजनियां, नारायणपुर के झिलुवा एवं पोस्ता, करमाटांड़ (विद्यासागर) के तरकोजोरी, नाला के जामदेही, फतेहपुर के धसनियां तथा कुंडहित प्रखंड के बाबूपुर पंचायत में जांच अभियान चलाया जाएगा।

खोरीमहुआ अनुमंडल के नए एसडीओ के रूप में समीर रेनियर खलखो ने पदभार ग्रहण किया।

रफ्तार मीडिया संवाददाता।

राजधनवार:-- खोरीमहुआ अनुमंडल के नए एसडीओ के रूप में शुक्रवार को समीर रेनियर खलखो ने पदभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रभारी एसडीओ सह भूमि उपसमाहर्ता सुनील कुमार प्रजापति से पदभार ग्रहण किया। मौके पर भूमि उपसमाहर्ता सुनील कुमार प्रजापति, धनवार बीडीओ देवेन्द्र कुमार दास, धनवार प्रमुख गौतम सिंह, बीससुत्री अध्यक्ष सफीक अंसारी अनुमंडल कर्मी सहित कई जनप्रतिनिधि व समाजसेवी ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। पदभार ग्रहण के बाद नव पदस्थापित एसडीओ ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लोगों को लाभ दिलाना तथा अनुमंडल क्षेत्र में विधि - व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

आईएसपी की जमीन पर अवैध पार्टी कार्यालयों पर चला बुलडोजर

रफ्तार मीडिया संवाददाता
आसनसोल

पश्चिम बंगाल राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद हीरापुर-बर्नपुर इलाके में सेल आईएसपी अपनी जमीन पर बने अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई कर रहा है। शुक्रवार सुबह से आईएसपी के अधिकारियों ने अपर रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय और बर्नपुर गुरुद्वारा के पास स्थित माकपा कार्यालय पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। सेल आईएसपी अधिकारियों ने बताया कि इन राजनीतिक कार्यालयों को पहले ही दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए नोटिस दिया गया था। पार्टी कार्यालयों को नहीं हटाए जाने पर आईएसपी को शुक्रवार को इन्हें गिराने का फैसला लेना पड़ा। पिछले कुछ दिनों से आईएसपी अपनी जमीन पर बने कई अवैध निर्माण गिरा रहा है। इनमें कई राजनीतिक दलों के कार्यालय भी शामिल हैं।
कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

चिरेका में कर्मचारियों का शक्ति प्रदर्शन: जीएम दफ्तर के बाहर गरजे हजारों रेलकर्मी

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना कर्मचारी संघ के आह्वान पर शुक्रवार को जनरल मैनेजर कार्यालय के बाहर आर.के. गेट पर हजारों रेलकर्मियों ने विशाल धरना प्रदर्शन किया। भारी बारिश के बावजूद कर्मचारी रेलवे बचाओ, चिरेका बचाओ, रोजगार बचाओ के नारों के साथ सड़कों पर उतरे। संघ के अध्यक्ष दिनेश पाठक के नेतृत्व में हुए आंदोलन में पूर्व अध्यक्ष अमरेंद्र सिन्हा, कार्यकारी अध्यक्ष आशीष मुखर्जी समेत बड़ी संख्या में कर्मचारी, अपरेंटिस अभ्यर्थी और श्रमिक समूह शामिल हुए। मंच संचालन महामंत्री अनुज कुमार ने किया। वक्ताओं ने रेलवे में करीब 30 हजार पदों की कटौती पर कड़ी नाराजगी जताई और इसे तुरंत रोकने की मांग की। धरने में ग्रुप-डी की नियुक्तियां शीघ्र शुरू करने और अपरेंटिस कर चुके युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग उठी। साथ ही वर्कशॉप के प्रयोगशाला कर्मचारियों को प्रोत्साहन भत्ता, यांत्रिक विभाग में लंबित पदोन्नति, फिटर ग्रेड-कक से ग्रेड-क में प्रोन्नति और सीएमटी संवर्ग में इंसेंटिव लागू करने की बात कही गई। कर्मचारियों ने चित्तरंजन रेलवे कॉलोनी के जर्जर क्वार्टरों के नवीनीकरण, कानून व्यवस्था में सुधार तथा बंगाल सरकार द्वारा वसूले जा रहे व्यवसाय कर को समाप्त करने की भी मांग की। संघ ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पूरे प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। बारिश के बीच भी कर्मचारियों का जोश कम नहीं हुआ और घंटों तक नारेबाजी चलती रही।

बाघ एक्सप्रेस में नोटों का जखीरा: चित्तरंजन में जीआरपी ने पकड़े 40 लाख, जांच तेज

रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

झारखंड-बंगाल सीमा स्थित चित्तरंजन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात उस समय सुर्खियों में आ गया जब हावड़ा-काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस से लगभग 40 लाख रुपये नकद बरामद हुए। राजकीय रेल पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ट्रेन के वातानुकूलित कोच बी-3 से नोटों की गड्डियां जब्त की गई।

सीटों के बीच छिपाकर रखे थे नोट

जानकारी के अनुसार, 500-500 रुपये के नोटों को बेहद चालाकी से प्लास्टिक के थैलों में पैक कर सीटों और सामान के बीच छिपाया गया था। ट्रेन के चित्तरंजन पहुंचते ही पहले से सतर्क राजकीय रेल पुलिस टीम ने कोच को घेर लिया और सघन तलाशी शुरू की। जैसे ही थैलों से नोटों के बंडल निकले, यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

देर रात तक चली पूछताछ

अचानक भारी पुलिस बल की मौजूदगी से स्टेशन और कोच में तनावपूर्ण माहौल बन गया। कई यात्रियों से पूछताछ की गई और कुछ समय के लिए आवाजाही भी सीमित कर दी गई। हालांकि देर रात तक किसी कि गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हवाला या अवैध लेन-देन की आशंका

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी रकम किसकी है और इसे कहां ले जाया जा रहा था। शुरूआती जांच में मामला हवाला कारोबार, अवैध लेन-देन या किसी बड़े नेटवर्क से जुड़ा होने की आशंका है। अधिकारियों ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

खजाने में जमा हुई नकदी

बरामद रकम को सुरक्षा के बीच जामताड़ा खजाने में भेज दिया गया है। वहां नोटों की गिनती और जांच की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार मामले की सूचना आयकर विभाग और अन्य जांच एजेंसियों को भी दी जा सकती है।

शहीद वीर कुंवर बटेश्वर सिंह की 31वी पुण्यतिथि मनाई गई

रफ्तार मीडिया संवाददाता राजीव कुमार/महागामा

शुक्रवार को महागामा के बसुआ चौक पर शहीद वीर कुंवर बटेश्वर सिंह की 31वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोग जुटे और शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने शहीद वीर कुंवर बटेश्वर सिंह के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग और संघर्ष समाज के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीद कभी मरते नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में अमर रहते हैं। युवाओं से शहीदों के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्रहित में आगे आने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने शहीद के सम्मान में देशभक्ति के नारे भी लगाए। पूरे आयोजन के दौरान बसुआ चौक पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मौके पर उपस्थित नगर अध्यक्ष प्रबोध सोरेन , पप्पू ठाकुर, अशोक यादव,निरंजन ब्रहम, अजय साह कुंवर सुनीता सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से समिति ने व्यवहार न्यायालय लगे सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन एवं अन्य आवश्यक अवयवों का किया समीक्षा

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर गठित समिति द्वारा शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय, जामताड़ा परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य न्यायालय परिसर में सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन एवं अन्य आवश्यक अवयवों की समीक्षा करना था। यह कार्रवाई सरकार के उप सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई - गवर्नेंस विभाग, झारखंड से प्राप्त पत्र के आलोक में की गई। पत्र में व्यवहार न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक सीसीटीवी कैमरों की संख्या, उनकी स्थिति तथा अन्य तकनीकी

आवश्यकताओं की जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया था।अपर समाहर्ता पूनम कच्छप के नेतृत्व में गठित समिति ने न्यायालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान वर्तमान में अधिष्ठापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता का आकलन किया गया तथा अतिरिक्त कैमरों की आवश्यकता वाले स्थानों की पहचान की गई। समिति ने न्यायालय परिसर के प्रवेश द्वार, मुख्य भवन, गलियारों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की। निरीक्षण के क्रम में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जामताड़ा से भी परामर्श किया गया। समिति के सदस्यों ने न्यायालय परिसर में सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।अधिकारियों ने कहा कि न्यायालय परिसर में बेहतर निगरानी व्यवस्था से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकेगा। मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वसीम राजा, पुलिस उपाधीक्षक, न्यायिक दंडाधिकारी, रजिस्ट्रार व्यवहार न्यायालय, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी संतोष कुमार घोष, थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर बिरजू राम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गोड्डा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, साइबर अपराध में संलिप्त अभियुक्त भेजा गया जेल

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/ गोड्डा

गोड्डा पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार द्वारा प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर बताया गया कि बसंतराय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बाघाकोल में एक व्यक्ति द्वारा साइबर अपराध में संलिप्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। सूचना के अनुसार एक संदिग्ध मोबाइल नंबर का उपयोग कर ऑनलाइन साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। उक्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु बसंतराय थाना पुलिस की एक टीम का गठन कर तत्काल ग्राम बाघाकोल भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा जाँच एवं सत्यापन के क्रम में

एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान मो० जुबेर आलम, पिता शकील अहमद, ग्राम बाघाकोल, थाना बसंतराय, जिला गोड्डा के रूप में की गई। पूछताछ एवं विधिवत तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन, विभिन्न बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज, डेबिट कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई। प्रारंभिक जांच एवं पूछताछ में आरोपी द्वारा साइबर अपराध से जुड़े तथ्यों का खुलासा किया गया। आरोपी ने बताया कि वह साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन एवं निवेश के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करता था। उसके मोबाइल से प्राप्त जानकारी के अनुसार वह टेलीग्राम के माध्यम से स्विफ्ट पे नामक निवेश संबंधी एप्लिकेशन डाउनलोड कर उसका उपयोग करता था और भुगतान एवं फंड ट्रांसफर के लिए विभिन्न यूपीआई प्लेटफॉर्म का प्रयोग करता था। साइबर अपराध से प्राप्त राशि को विभिन्न बैंक खातों एवं डिजिटल भुगतान माध्यमों के जरिए स्थानांतरित कर निकासी की जाती थी ताकि धन के वास्तविक स्त्रोत को छिपाया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अन्य व्यक्तियों के नाम पर जारी मोबाइल सिम कार्ड, बैंक खाते एवं डिजिटल भुगतान साधनों का उपयोग कर साइबर अपराध से प्राप्त राशि का संचालन करता था।

रांची//भवन निर्माण विभाग प्रमंडल-2 रांची में निविदा विवाद गहराया

(रांची वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची//भवन निर्माण विभाग प्रमंडल-2 रांची में निविदा विवाद गहरा गया है।

ठकळ-11/2026-27 निविदा प्रक्रिया को लेकर संवेदक और सहायक अभियंता आमने-सामने आ गए हैं। संवेदक संघ ने सहायक अभियंता पर मारपीट और गलत केस दर्ज कराने का आरोप लगाया है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई।
रांचीः भवन निर्माण विभाग प्रमंडल-2 में ठकळ-11/2026-27 निविदा को लेकर बवाल मच गया है। संवेदक संघ ने सहायक अभियंता रमेश टुडू पर गंभीर आरोप लगाए हैं।
प्रेस कॉन्फ्रेंस में संघ के अध्यक्ष राकेश चौधरी ने कहा कि निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। जब संवेदक रणजीत सिंह ने जानकारी मांगी तो सहायक अभियंता ने उनके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, एससी/एसटी एक्ट के तहत गलत प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गई।
संघ का आरोप है कि विभाग में मनमानी चल रही है। टेंडर प्रक्रिया को जानबूझकर उलझाया जा रहा है। सही जानकारी मांगने पर संवेदकों को डराया-धमकाया जा रहा है।
राकेश चौधरी, अध्यक्ष, संवेदक संघ ने कहा किह्लठकळ-11/2026-27 में गड़बड़ी है। जब रणजीत सिंह जी ने पेपर मांगे तो अए रमेश टुडू ने मारपीट की। फिर झूठा एससी/एसटी केस कर दिया। ये तानाशाही है। हम निष्पक्ष जांच चाहते हैं। दोषी पर कार्रवाई हो, नहीं तो आंदोलन करेंगे।
संवेदक संघ ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संघ का कहना है कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से चुनिंदा लोगों को टेंडर दिए जा रहे हैं।
वहीं सहायक अभियंता पक्ष का बयान अभी सामने नहीं आया है। भवन निर्माण विभाग के वरीय अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं। विवाद बढ़ने से प्रमंडल-2 में टेंडर प्रक्रिया ठप पड़ गई है।
ग्राफिक्स -निविदा विवादः संवेदक बनाम अएः
1. विवादः भवन निर्माण प्रमंडल-2 रांची, ठकळ-11/2026-27 पर बवाल
2. आरोपः AE रमेश टुडू पर मारपीट का आरोप
3. पीड़ितः संवेदक रणजीत सिंह से हाथापाई का दावा
4. ऋकफः SC/ST एक्ट में गलत केस दर्ज कराने का आरोप
5. संघः अध्यक्ष राकेश चौधरी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस
6. मांगः निष्पक्ष जांच, दोषी अए पर कार्रवाई, पारदर्शी टेंडर
7. चेतावनीः कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेगा संघ
टेंडर का पेपर मांगो तो मार खाओ, सवाल करो तो रउ/रळ केस झेलो झ्र रांची के भवन निर्माण प्रमंडल-2 में यही चल रहा है। NIT-11/2026-27 ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया। संवेदक संघ सीधा आरोप लगा रहा है झ्र अए रमेश टुडू ने रणजीत सिंह को पीटा, फिर उल्टा केस कर दिया। पारदर्शिता गई तेल लेने, अब दबंगई चल रही है। संघ ने चेतावनी दी है झ्र जांच करो, वरना सड़क पर उतरेंगे।

गांडेय में झमाझम बारिश से बदला मौसम का मिजाज, भीषण गर्मी और तपिश से मिली बड़ी राहत।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय.

गांडेय में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप की मार झेल रहे गांडेय प्रखंड वासियों के लिए शुक्रवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। क्षेत्र में अचानक मौसम ने करवट बदली और आसमान में काले बादलों के छाने के साथ ही झमाझम बारिश शुरू हो गई। तेज बारिश और ठंडी हवाओं के चलने से पूरा वातावरण खुशनुमा हो गया और लोगों को झुलसाने वाली तपिश से तुरंत निजात मिल गई।

?सुबह से ही इलाके में ठंडी हवाएं चलने लगी थीं, जिसके बाद शुरू हुई तेज बारिश ने तापमान में भारी गिरावट दर्ज कराई। इस अचानक हुए मौसम परिवर्तन से न केवल मौसम सुहाना हुआ, बल्कि पिछले कई दिनों से धूल और प्रदूषण से परेशान स्थानीय लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। राहत की इस बारिश के बाद लोग घरों से बाहर निकलकर सुहाने मौसम का आनंद लेते नजर आए।

?स्थानीय लोगों का कहना है कि मई महीने के अंत में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया था। इस बारिश ने न सिर्फ शरीर को झुलसाने वाली गर्मी से राहत दी है, बल्कि फसलों के लिए भी इसे बेहद फायदेमंद माना जा रहा है।

आगे भी जारी रहेगा राहत का सिलसिला

मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जारी करते हुए बताया है कि आने वाले अगले कुछ दिनों तक गांडेय और आसपास के इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। ऐसे में गांडेय वासियों को फिलहाल तीखी धूप और उमस भरी गर्मी से राहत मिलती रहेगी।

चंदवा में अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद, पांच गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार चंदवा लातेहार पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवा थाना क्षेत्र के सांसांग मोड़ के पास भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो, एक ट्रेलर और एक 12 चक्का ट्रक जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना रंजीत यादव उर्फ गोलू और ट्रक चालक फरार हो गए।पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ट्रक संख्या फ्ख-19 ऋङ-7002 में पशु चारा व धान की भूसी की आड़ में छिपाकर ले जाई जा रही शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई। स्कॉर्पियो और ट्रेलर से भी शराब बरामद हुई।गिरफ्तार आरोपियों में सूरज कुमार, प्रकाश कुमार रवानी, राम कुमार पाण्डेय, गौतम कुमार और छोटू कुमार यादव शामिल हैं। पुलिस ने कार्रवाई में 699 पेटी ऑल सीजन्स गोल्डन कलेक्शन रिजर्व व्हिस्की, 290 पेटी रॉयल चैलेंज, 20-20 पेटी मैकडॉवेल्स व्हिस्की (180 एमएल एवं 750 एमएल) समेत भारी मात्रा में शराब बरामद की। साथ ही शराब छिपाने के लिए उपयोग की गई करीब 200 बोरी धान की भूसी भी जब्त की गई। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सहित चंदवा थाना पुलिस और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपियों तथा नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता रथ को किया गया रवाना।

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा समाहरणालय परिसर से बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुरीति है, जो बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इस कुरीति के उन्मूलन हेतु आगे आने की आवश्यकता है। जागरूकता ही बाल विवाह रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है।जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में भ्रमण कर लोगों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, बालिकाओं की शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं सरकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक करेगा। रथ के माध्यम से आमजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम हेतु सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत स्तर पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविकाएं सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सीसीएल पुंडी परियोजना के तीन कर्मियों को भावभीनी विदाई, सेवाकाल की सराहना

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

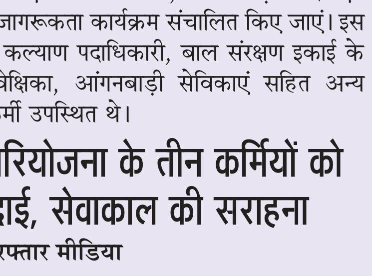

मांडू : सीसीएल कुजू क्षेत्र अंतर्गत पुंडी परियोजना में शुक्रवार, 29 मई 2026 को एक विदाई समारोह का आयोजन कर ई एंड एम विभाग के तीन वरिष्ठ कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों में सुदामा प्रजापति, छोटू प्रजापति और रामलाल मांझी शामिल हैं।

इस अवसर पर परियोजना कार्यालय में आयोजित समारोह की अध्यक्षता सिस्टा के कोषाध्यक्ष एलारुष उरांव ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन जनता मजदूर संघ के शाखा सचिव व सिस्टा के क्षेत्रीय सचिव ब्रह्मदेव राम ने किया।

समारोह के मुख्य अतिथि, परियोजना अभियंता एवं यांत्रिक श्री मुरली मनोहर ने तीनों सेवानिवृत्त कर्मियों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सुदामा प्रजापति, छोटू प्रजापति और रामलाल मांझी का कार्यकाल निष्ठा और परिश्रम से भरा रहा है। परियोजना के विकास में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

समारोह के दौरान उपस्थित सभी सहकर्मियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह व उपहार भेंट कर उनके स्वस्थ और खुशहाल भविष्य की कामना की। अपने कार्यस्थल से विदा लेते हुए सभी सेवानिवृत्त कर्मी भावुक नजर आए। इस विदाई कार्यक्रम में जयदेव मुखर्जी, राजेश चंद्र, आजाद मांझी, भागीरथ मांझी, जयराम मांझी, बालेश्वर महतो, धनेश्वर प्रजापति, मनु मांझी, देवनारायण मांझी, रतनी देवी, सवना मांझी, मंगरा माझी, मंगरा गंजू, अनिल वास्के, हीरालाल मुर्मू, डालचंद कुमार महतो, उमेश कुमार बेसरा और अग्नू महतो सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे।

कोडरमा - गया घाट सेक्शन में फिसलन से रूकी दुरंतो, 3 घंटे तक ट्रेनों के पहिए थमे रहे

झुमरी तिलैयाः नईदिल्ली-हावड़ा ग्रैंड कॉर्ड रेल सेक्शन के अंतर्गत शुक्रवार को धनबाद रेल मंडल में रेल परिचालन पर प्रतिकूल असर पड़ा कोडरमा-गया रेल खंड के अंतर्गत मूसलाधार बारिश और फिसलन की वजह से नई दिल्ली से हावड़ा जा रही दुरंतो एक्सप्रेस के इंजन में खराबी आ गई इस वजह से घंटों दुरंतो एक्सप्रेस नाथगंज एवं बसकटवां के बीच खड़ी रही इसके पीछे चल रही एक माल गाड़ी भी फिसलन की वजह से खड़ी हो गई और इस दौरान डाउन लाइन में लगभग 3 घंटे तक परिचालन बाधित रहा।गुरपा-गंझडी 15 किलोमीटर के दुर्गम घाट सेक्शन में तकनीकी खराबी की वजह से ट्रेनों के पहिए थम गए।

इस दौरान पटना- रांची वंदे भारत, सियालदह अजमेर और पटना - रांची जनशताब्दी जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर तीन घंटे से अधिक समय से खड़ी रहीं। धनबाद रेल कंट्रोल रूम से अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।

बताते चले घाट सेक्शन में दुरंतो एक्सप्रेस का इंजन फेल

जानकारी के अनुसार, घाट सेक्शन के बसकटवां और नाथगंज के बीच (पोल संख्या 413/44) सुबह करीब 8:30 बजे दिल्ली से हावड़ा जा रही 12260 दुरंतो एक्सप्रेस का इंजन अचानक फेल हो गया।

इसके बाद गंझड़ी स्टेशन से एक बैंकर (अतिरिक्त इंजन) भेजकर ट्रेन को सुबह 10:30 बजे कोडरमा स्टेशन लाया गया। विभागीय कर्मियों द्वारा काफी प्रयास के बाद भी जब 11:30 बजे तक खराबी का पता नहीं चला, तो अंततः बैंकर इंजन के सहारे ही ट्रेन को धनबाद की ओर रवाना किया गया। दुरंतो एक्सप्रेस इस दौरान करीब 70 मिनट तक ट्रैक पर ही खड़ी रही।दुगार्पुर मालगाड़ी भी हुई खराब, डाउन लाइन बाधित

इसी दौरान घाट सेक्शन में एक और बड़ी लापरवाही सामने आई, जब एक लोड दुगार्पुर मालगाड़ी का इंजन भी फेल हो गया। इसे भी दूसरा बैंकर इंजन लगाकर किसी तरह गंझड़ी स्टेशन लाया गया। दो-दो इंजनों की खराबी के कारण डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह ठप हो गया।इसके कारण अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस सुबह 8:30 बजे से ही गुरपा स्टेशन पर खड़ी रही।

पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस टनकुप्पा स्टेशन पर फंसी रही।

पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस पहाड़पुर स्टेशन पर रुकी रही।इसके अलावा कई अन्य मेल व मालगाड़ियों को गया जंक्शन और उसके आसपास के स्टेशनों पर एहतियातन रोक दिया गया।

अप लाइन पर दो भागों में बंटी बाढ़ स्पेशल मालगाड़ी

संकट यहीं नहीं रुका; अप लाइन पर भी परिचालन ठप हो गया। कोडरमा स्टेशन से खुलने के बाद 'बाढ़ स्पेशल मालगाड़ी' कोडरमा और गंझड़ी के बीच अचानक दो भागों में बंट गई (कपलिंग टूट गई)। इस घटना के बाद से ही एक पैसेंजर ट्रेन दिन 12:30 बजे से कोडरमा स्टेशन पर खड़ी रही इसके अलावा हावड़ा गया वन्देभारत (22303) हीरोडीह में तथा पूरी नई दिल्ली पुरूषोतम एक्सप्रेस (12801)को शमार्टंड में खड़ी रही और अप लाइन का यातायात भी पूरी तरह प्रभावित हो गया।

हाई अलर्ट पर घाट सेक्शन, चट्टान खिसकने का खतरा

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, प्री-मानसून की पहली बारिश में ही रेल परिचालन ठप होने का यह पहला मामला है।

स्टेट टॉपर रशीदा नाज सहित मैट्रिक व इंटर में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 81 मेघावी छात्र सम्मानित

संवाददाता धनबाद समामा औसाल : एकेडमिक वर्ष 2025-26 में धनबाद जिले में जैक बोर्ड के इंटर (साइंस) में स्टेट टॉपर रही रशीदा नाज सहित मैट्रिक एवं इंटर (आर्टस, साइंस, कॉमर्स) में जैक, सीबीएसई, आईसीएसई, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 81 मेघावी छात्रों को आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे ने धनबाद क्लब में आयोजित विशेष समारोह में सम्मानित किया। समारोह का शुभारंभ दिव्यांग छात्र से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए खूब मेहनत करें। मोबाइल छोड़ किताब को साथी बनाएं। शिक्षकों और अभिभावक का सम्मान करें। कहा यह एक शुरूआत है। जीवन में संघर्ष करते रहे, रुके नहीं। मन को भटकने नहीं दे। पूरी एकाग्रता से पढ़ाई करें। लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा टॉपर्स को देख कर बाकी बच्चे भी सीखते हैं। इसलिए आगे और अच्छा करें। समाज के लिए प्रेरक बने।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में तीन दिव्यांग छात्र भी थे। उन्हें सम्मानित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि दिव्यांग बच्चे बहुत संघर्ष करके आगे बढ़ते हैं। सबको इनपर गर्व है, ये अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं बनना चाहिए। जिस क्षेत्र में वे जाना चाहते हैं, उन्हें जाने दें।

जीवन में आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया से दूर रखें। अच्छी संगति पर ध्यान दें।अच्छे लोगों के बीच में रहे। लोगों की पहचान कर बुरे लोगों से दूर रहे, एक अच्छा इंसान और इस देश का अच्छा नागरिक बने।

समारोह में पदाधिकारियों ने जैक बोर्ड के मैट्रिक में 97.60% लाने वाले प्लस टू हाई स्कूल बलियापुर के लक्ष्मण गोराई व विश्वजीत मल्लिक, 97.20% प्राप्त करने वाले अमित कुमार प्रमाणिक व सविता कुमारी तथा 97% मार्क्स लाने वाले प्रिंस कुमार व सौरभ कुमार प्रसाद को सम्मानित किया। साथ में जैक बोर्ड के इंटर आर्ट्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली नियति सिंह व दौलत कुमार महतो, द्वितीय स्थान पर शीतल महतो व लक्ष्मी कुमारी एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तबस्सुम परवीन व कविता कुमारी, इंटर कॉमर्स में आलिया नाज, पिंटू कुमार व नंदनी कुमारी, जैक बोर्ड के इंटर साइंस में 97.80% मार्क्स लाकर स्टेट टॉपर रही रशीदा नाज, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बबेश कुमार महतो व तृतीय आने वाले ऋतु राज डे को सम्मानित किया।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस का आयोजन संपन्न

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/ गोड्डा

डीएमएफटी सभागार में उप विकास आयुक्त विस्पुते श्री कांत यशवंत की अध्यक्षता में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस 2026 के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपविकास आयुक्त ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। किशोरियों एवं महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर ही बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में मासिक धर्म से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए, ताकि किशोरियां बिना किसी झिझक के आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं जानकारी का लाभ प्राप्त कर सकें। साथ ही विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी सावधानियों, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा किशोरियों के बीच किशोरी स्वच्छता किट का वितरण किया गया तथा मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई ' इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ,स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण,किशोरियां एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रेनों में आग से बचाव को लेकर 1 जून से दी जाएगी जानकारी

झुमरी तिलैया - आगामी 1 जून से रेल यात्रा को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरूआत होने जा रही है। इस अभियान के तहत मुख्य रूप से सड़कों पर बच्चों की सुरक्षा और ट्रेनों में आगजनी की घटनाओं से बचाव को लेकर यात्रियों को जागरूक किया जाएगा। रेल प्रशासन का मानना है कि थोड़ी सी सतर्कता बरतकर बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

आजादी के बाद पहली बार ग्राम हीसरा में पहुंची बिजली क्षेत्र की जनता ने सांसद बीडी राम के प्रति जताया आभार

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिथिलेश यादव पलामू रामगढ़ प्रखंड के सुगरवर्ती क्षेत्र हिस्सा ग्राम में बिजली नहीं पहुंची थी जिसके कारण यहां के बच्चे रोशनी के बिना शिक्षा एवं अन्य कार्यों से वंचित रह रहे थे यहां की जनता ने पलामू सांसद बीडी राम को बिजली समस्या से अवगत कराया सांसद ने क्षेत्र की जनता की भावना को सम्मान करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से इस गांव में बिजली पहुंचाया जाए संसद का प्रयास लाया रंग और इस गांव में बिजली की समस्या से निजात मिली पहली बार इस गांव में बिजली जलने पर क्षेत्र की जनता में काफी खुशी देखने को मिला स्थानीय जनता ने सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे को बुलाकर सम्मानित किया तथा संसद के प्रति धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया मौके पर सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे ने कहा कि पलामू लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विष्णु दयाल राम का प्रयास है की विकास की किरण अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तथा कोई भी गांव बिजली से वंचित न रहे मौके पर उप मुखिया ललन यादव महेश परहिया

श्रीराम क्लब गोविंदपुर मांडू को मिली खेल सामग्री, युवाओं के चेहरे खुशी से खिले

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

मांडू : मांडू गोविंदपुर स्थित श्रीराम क्लब के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची मांडू चट्टी पंचायत की मुखिया श्रीमती अनीता देवी और विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि बालेश्वर भुइया ने क्लब को क्रिकेट किट बैट बॉल और विकेट प्रदान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता देवी ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेल संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से खेल भावना के साथ अनुशासन बनाए रखने और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। वहीं, विधायक प्रतिनिधि बालेश्वर भुइया ने कहा कि खेल से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि युवाओं में आपसी भाईचारा और टीम वर्क की भावना भी विकसित होती है।

खेल सामग्री प्राप्त होने के बाद श्रीराम क्लब के सदस्यों में काफी उत्साह देखा गया। क्लब के अध्यक्ष विकास कुमार ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से गांव के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतर मंच मिलेगा।

इस कार्यक्रम के दौरान क्लब के उपाध्यक्ष मंटू कुमार, सदस्य गोलू कुमार, विक्रम कुमार, पप्पू कुमार, राहुल कुमार और गौरी शंकर सहित गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मूसलाधार वर्षा से गर्मी से मिली राहत, जलजमाव और ने बढ़ाई शहरवासियों की परेशानी

झुमरीतिलैया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को हुई मूसलाधार वर्षा ने लोगों को तपती धूप और उमस से बड़ी राहत दी। बारिश की फुहारों से मौसम सुहाना हो गया और लोगों के चेहरे खिल उठे, लेकिन दूसरी ओर तेज वर्षा ने शहर और ग्रामीण इलाकों में कई नई परेशानियां भी खड़ी कर दी। कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं, वहीं नगर के कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। नालियों का पानी सड़कों पर बहता रहा, जिससे

राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बिजली कार्यालय के समीप सड़क पर पानी भर जाने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को घंटों कठिनाई झेलनी पड़ी। पानी से गुजरते समय राहगीरों के कपड़े खराब हो गए और लोगों में नाराजगी देखी गई। वहीं बाईपास मार्ग पर दो ट्रकों के बीच टक्कर भी हुई, हालांकि इस घटना में किसी प्रकार के जान-माल की क्षति नहीं हुई। तेज गर्जना और वज्रपात ने जिले में दो महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के झरीटांड़ में हुई, जहां 30 वर्षीय पूनम देवी चापानल से पानी लेने गई थी। इसी दौरान अचानक वज्रपात होने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरी घटना डोमचांच थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव में हुई। यहां 36 वर्षीय साजमा खातून अपने परिवार के साथ घर के आंगन में बैठी थी। अचानक तेज गर्जना के साथ हुए वज्रपात की चपेट में आने से वह बेहोश हो गई। परिजनों द्वारा उन्हें तत्काल सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

?झारखंड की बहू का वैश्विक मंच पर धमाका: सात देशों को पछाड़ श्रीलंका में जीता 'एशिया केक ऑस्कर अवार्ड' !

(रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर)

कोयलांचल की धरती रामगढ़ के लिए आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। रामगढ़ स्थित थाना चौक निवासी परशुराम उपाध्याय की बहू राशि सिन्हा ने श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित प्रतिष्ठित 'फोर्थ एडिशन एशिया केक ऑस्कर वर्ल्ड एडिशन 2026' में अंतरराष्ट्रीय अवार्ड जीतकर न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे हिंदुस्तान का सिर फखर से ऊंचा कर दिया है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में भारत सहित सात देशों (श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव, मलेशिया, तुर्की, जापान, चीन और साऊथ कोरिया) के दिग्गजों ने हिस्सा लिया था, जिन्हें पछाड़ते हुए राशि ने जीत का परचम लहराया।

?बुधवार को रामगढ़ लौटने पर उनके निवास स्थान पर वरिष्ठ नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं का तांता लग गया। सभी ने राशि सिन्हा को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर

सम्मानित किया और उनके इस हुनर को सलाम किया।

?वरिष्ठ नेता कुंटू बाबू का बड़ा बयानः "कोयलांचल की बेटी और बहू ने बढ़ाया देश का मान"

?सम्मान समारोह में पहुंचे रामगढ़ के दिग्गज एवं वरिष्ठ नेता रंजय उर्फ कुंटू बाबू ने राशि सिन्हा की इस ऐतिहासिक सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहाः

?"यह हमारे रामगढ़ कोयलांचल और पूरे झारखंड के लिए बेहद गौरवपूर्ण क्षण है। हमारी बहू राशि सिन्हा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सात देशों के धुरंधरों को मात देकर यह साबित कर दिया है कि अगर हौसला बुलंद हो, तो छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी वैश्विक पटल पर अपना लोहा मनवा सकती हैं। राशि ने श्रीलंका में आयोजित 'एशिया केक ऑस्कर' में देश का नाम रोशन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'स्टार्टअप इंडिया' और महिला सशक्तिकरण के विजन को इस परिवार ने सच कर दिखाया है। रामगढ़ को अपनी इस बहू पर नाज है।"

?हिंदू जागरण मंच के जिला अध्यक्ष सत्यजीत चौधरी का वक्तव्यः "यह भारतीय कला और संस्कृति की वैश्विक जीत है"

इस मौके पर हिंदू जागरण मंच के जिला अध्यक्ष सत्यजीत चौधरी ने राशि सिन्हा को बधाई देते हुए कहाः

"राशि सिन्हा की यह जीत केवल एक प्रतियोगिता की जीत नहीं है, बल्कि यह भारतीय कला, क्रिएटिविटी और नारी शक्ति की वैश्विक विजय है।

कोडरमा को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रखने की मांग, सरकार के फैसले का भाजपा ने किया विरोध

झुमरी तिलैया - कोडरमा परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने राज्य सरकार के उस निर्णय का विरोध किया, जिसके तहत कोडरमा जिले के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह के अंतर्गत शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कोडरमा जिला लंबे समय से विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंतर्गत रहा है और इससे यहां के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी सुविधा मिलती रही है।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हजारीबाग की दूरी कम होने के कारण छात्र-छात्राएं आसानी से विश्वविद्यालय जाकर अपने कार्य पूरे कर घर लौट आते थे। विशेषकर छात्राओं, गरीब परिवारों, किसान एवं मजदूर वर्ग के अभिभावकों के लिए यह व्यवस्था काफी सुविधाजनक थी। उन्होंने कहा कि आज छात्राओं की संख्या उच्च शिक्षा में लगातार बढ़ रही है और ऐसे में दूरी बढ़ने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सर जे सी बोस विश्वविद्यालय की स्थापना का भाजपा स्वागत करती है, क्योंकि झारखंड जैसे शैक्षणिक रूप से पिछड़े राज्य में नई शैक्षणिक संस्थाओं का खुलना आवश्यक है। लेकिन कोडरमा को विनोबा भावे विश्वविद्यालय से अलग कर गिरिडीह विश्वविद्यालय के अंतर्गत शामिल करने का कोई औचित्य नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आवागमन, दूरी और आर्थिक स्थिति को देखते हुए यह फैसला छात्र हित में नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार से इस निर्णय को वापस लेने और कोडरमा के कॉलेजों को पूर्व की तरह विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के अंतर्गत रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा पूरी तरह छात्र हित और अभिभावकों की सुविधा से जुड़ा है। भाजपा इस फैसले का सड़क से लेकर सदन तक विरोध करेगी। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त 2024 को ही इस संबंध में उनके द्वारा पत्र जारी कर राज्य सरकार से आग्रह किया गया था कि यह निर्णय छात्र हित में नहीं है। वहीं बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव और विधायक मनोज कुमार यादव ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को छात्र-छात्राओं के भविष्य के

इरफान अंसारी के बयान पर गरमाई झारखंड की राजनीति

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी और आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर दिया गया बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल इरफान अंसारी ने बाबूलाल मरांडी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें जेल भेजने की बात कही थी। इरफान अंसारी द्वारा दिए गए युक्त बयान के बाद भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इरफान अंसारी को सदर और रिम्स अस्पताल पहुंचने की आवश्यकता है लेकिन इरफान अंसारी को सिर्फ बाबूलाल मरांडी दिख रहे हैं।

इरफान अंसारी को पहले पागलखाना भेजने का काम करेंगे- भानु प्रताप शाही

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो व्यक्ति खुद गंभीर मुद्दों से ध्यान भटका रहा हो, वह दूसरों को जेल भेजने की बात कर रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी को जेल भेजने की बात करने वाले इरफान अंसारी को पहले कांके के पागलखाना भेजने की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री को दूरबीन लेकर रिम्स और सदर की अव्यवस्था देखनी चाहिए- भानु प्रताप शाही भानु प्रताप शाही ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जिस प्रकार दूरबीन लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि वे राजनीतिक ड्रामा करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि अगर मंत्री वास्तव में जनता के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें रांची स्थित रिम्स अस्पताल की बदहाल व्यवस्था देखने जाना चाहिए। वहां मरीजों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री को अस्पताल की समस्याएं नहीं बल्कि सिर्फ बाबूलाल मरांडी दिखाई दे रहे हैं।

शिकारीपाड़ा से आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा पर रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

शिकारीपाड़ा/दुमका/ रफ्तार मीडिया। ललित कुमार पाल। शिकारीपाड़ा क्षेत्र से पवित्र आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का एक जत्था पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हो चुका है। देवभूमि उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों की यह 7 दिवसीय पावन यात्रा लालकुआं से शुरू हो रही है। यात्रा के पहले दिन श्रद्धालु भीमताल, बाबा नीब करोरी के कैंची धाम, चितई गोलू देवता मंदिर, ऐतिहासिक जागेश्वर धाम, दांडेश्वर महादेव और गुरना माता मंदिर में शीश नवाते हुए पिथौरागढ़ पहुंचेंगे। दूसरे दिन यह जत्था भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जौलजीबी और धारचूला होते हुए बुंदी गांव के लिए आगे बढ़ेगा।

यात्रा के तीसरे दिन श्रद्धालु बुंदी और गुंजी के रास्ते साक्षात ओम पर्वत के दिव्य दर्शन करेंगे। इसी दिन वे कालापानी में काली नदी के उद्गम स्थल, काली माता मंदिर, पौराणिक व्यास गुफा, नाग पर्वत और पार्वती नाभी के दर्शन का पुण्य कमाएंगे। चौथे दिन यह कारवां आदि कैलाश की मुख्य भूमि पर पहुंचेगा, जहां श्रद्धालुओं को पांडव किला, आदि कैलाश मुख्य शिखर, पवित्र पार्वती सरोवर, गौरी कुंड, पार्वती मुकुट, पांडव पर्वत, भीम की खेती और मनोकामना मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करने का परम सौभाग्य प्राप्त होगा।

इसके बाद पांचवें दिन सभी यात्री पाताल भुवनेश्वर की रहस्यमयी गुफा, वृद्ध भुवनेश्वर और थल स्थित बालेश्वर महादेव के दर्शन करेंगे। छठे दिन वापसी मार्ग पर श्रद्धालु हाट काली माता मंदिर, गुरना माता मंदिर, चंडक हिल्स के मोस्तामानु मंदिर और कामाख्या मंदिर में मत्था टेकेंगे। यात्रा के अंतिम और सातवें दिन पिथौरागढ़ से लौटते समय बालेश्वर महादेव और शांत श्यामलाताल की खूबसूरती को यादों में समेटते हुए यह यात्रा पूर्ण होगी। इस आध्यात्मिक यात्रा को लेकर पूरे क्षेत्र में हर्ष और भक्ति का माहौल है।

इसी यात्रा में मधु स्वर्णकार, रामचंद्र भगत, आदि दर्जनों श्रद्धालु शामिल हैं।

महिला थाना की सुरक्षा में बड़ी चूक, पूछताछ के लिए लाई गई महिला लापता

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।

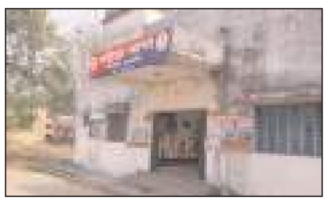

जामताड़ा महिला थाना की सुरक्षा व्यवस्था पर उस समय सवाल खड़े हो गए, जब पूछताछ के लिए थाना में रखी गई एक महिला शुक्रवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। महिला की तलाश में पुलिस टीम शहर के विभिन्न इलाकों में छानबीन कर रही है तथा आम लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ निवासी एक महिला दो दिन पूर्व कमाटांड़ थाना क्षेत्र पहुंची थी।महिला किसी शिकायत को लेकर थाना आई थी, लेकिन वह स्पष्ट रूप से अपनी बात पुलिस के सामने नहीं रख पा रही थी।इसके बाद बेहतर पूछताछ और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कमाटांड़ थाना ने उसे जामताड़ा महिला थाना भेज दिया था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह महिला थाना से अचानक लापता हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही महिला थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए। सुबह करीब 9 बजे से जामताड़ा शहर के विभिन्न सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पुलिस जवान महिला की तस्वीर लेकर अलग-अलग जगहों पर खोजबीन कर रहे हैं, लेकिन खबर लिखे जाने तक महिला का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल इस घटना के बाद पुलिस व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। थाना परिसर में रखी गई महिला आखिर कैसे गायब हो गई, इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। यदि महिला थाना से बाहर निकली, तो उस समय ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे, यह भी बड़ा सवाल बन गया है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि महिला थाना से भागी है या किसी अन्य परिस्थिति में लापता हुई है। क्या कहते है एसपी मामले को लेकर जामताड़ा एसपी शम्भु कुमार सिंह से संपर्क किए जाने पर उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिली है और पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है। पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी हुई है।

उपायुक्त ने की विद्युत विभाग की समीक्षा, बारिश से पहले मरम्मत कार्य पूरा करने का निर्देश

रफ्तार मीडिया, लातेहार।

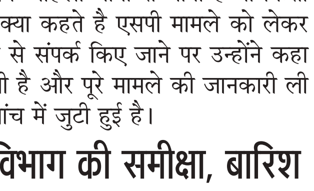

लातेहार लातेहार जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारू बनाए रखने को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना (एमयूजेवाई) तथा पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संबंधित

केएसजीएम कालेज निरसा मे आयोजित शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए

सममा औसाल/गौतम कुमार, कुमारधुबी : केएसजीएम कालेज निरसा मे आयोजित शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति , जनजातीय विकास, ग्रामीण क्षेत्र के उत्थान, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण तथा हरित पर्यावरण के महत्व पर विशेष चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जनजातीय समुदायों के लिए संचालित सरकारी छात्रवृत्ति योजनाओं, ग्रामीण विकास योजनाओं तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), डिजिटल शिक्षा, ई-फंड, कौशल विकास कार्यशालाओं, इंटर्नशिप एवं नवाचार कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया गया।

महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर ठअअठ, शिक्षकों तथा विभिन्न संस्थानों के सहयोग से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। बी.बी.एम.के.यू. एवं आई.एस.एम. के संयुक्त ह्रसाथी कार्यक्रमह्र का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

डॉ. कला सोना पाल

सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, एस.के.बी.यू., पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) ने अपने वक्तव्य में विभिन्न क्षेत्रों में जनजातीय गरीबी की स्थिति की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने गरीबी की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए बहुआयामी गरीबी सूचकांक (ढढक), मानव विकास सूचकांक (त्रऊक), भौतिक जीवन गुणवत्ता सूचकांक (ढदछक) तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उढक) सहित विभिन्न गरीबी संकेतकों की चर्चा की। साथ ही, नीति आयोग द्वारा जारी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय गरीबी के आँकड़ों का विश्लेषण करते हुए सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. शशांक पाठक

पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणीशास्त्र विभाग, विमेन्स कॉलेज, जामताड़ा ने झारखंड की जनजातीय वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विभिन्न औषधीय पौधों के वैज्ञानिक नामों एवं उनके उपयोगों की जानकारी दी।

जन शिकायत निवारण शिविर में उपायुक्त ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

रफ्तार मीडिया, लातेहार

लातेहार लातेहार समाहरणालय में शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को उपायुक्त के समक्ष रखा।जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों की जांच कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकता है।इस दौरान ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने केंद्रीय विद्यालय लातेहार से सेमरी तक सड़क निर्माण कार्य अविलंब शुरू कराने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त सड़क की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों तथा मरीजों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।मामले की गंभीरता को लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क से जुड़ी समस्या का शीघ्र समाधान करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाए।जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। सभी मामलों को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों का भौतिक सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करते तथा समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने बताया कि आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निष्पादन एवं समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि लोगों को अपनी समस्याएं रखने के लिए सुलभ मंच उपलब्ध हो सके।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर लातेहार में "चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो" अभियान का शुभारंभ

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को लातेहार सदर प्रखंड कार्यालय सभागार में "चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो" जागरूकता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी तथा यूनिसेफ के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं किशोरियों के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी ने कहा कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित निपटान की जानकारी देने तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक माह की 28 तारीख को जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में इस प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान लातेहार सदर की 12 किशोरियों को किशोरी किट प्रदान की गई। खुशबू कुमारी, नेहा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी सहित अन्य किशोरियों को किट देकर स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।वक्ताओं ने कहा कि माहवारी कोई शर्म या छिपाने का विषय नहीं है, बल्कि महिलाओं के जीवन की एक सामान्य एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है।

जनता ने कोडरमा की आवाज संसद और विधानसभा में उठाने भेजी थी, उसका हिसाब देना चाहिए,लेटर देकर जिम्मेवारी से कौन भागा, जनता सब जानती है,वक्त पर होगा हिसाब-रामधन

झुमरी तिलैया जिला परिषद अध्यक्ष सह राजद नेता रामधन यादव ने जे जे कॉलेज को जे सी बोस विश्व विद्यालय,गिरिडीह में समाहित करने के मामले में छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपने हक अधिकार के लिए सबों को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। छात्र हित मे जे जे कॉलेज बचाने के आंदोलन का समर्थन है। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभा में नीति निर्धारण व कानून बनता है। देश के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनी है। राज्य सरकार ने इसी के तहत गिरिडीह में विश्व विद्यालय का निर्माण कराया है। नीतिगत मामले में सांसद-विधायक संसद और विधानसभा में नीति को लेकर जनभावनाओं को रखते है लेकिन कोडरमा की जनता ने जिन्हें जनता की आवाज बुलंद करने संसद-विधानसभा भेजी, वे छात्र हित के मुद्दे उठाने की जगह खामोश रहीं। पत्राचार कर अपनी जिम्मेवारियों से नौ दो ग्यारह हो गए। केंद्र के मंत्री और क्षेत्र की विधायक जनहित और छात्र हित मे गंभीर रहते तो, जेजे कॉलेज को कभी भी विनोबा भावे विश्व विद्यालय से हटाकर जे सी बोस विश्व विद्यालय में नही जोड़ा जाता।लेकिन जब हमारे जनप्रतिनिधि ही वक्त पर खामोश हो जाऐंगे, तो जनता के मुद्दों को सरकार तक कौन पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि जे जे कॉलेज के छात्र और अभिभावक सांसद और विधायक पर टकटकी लगाए थे की उनके भविष्य की रक्षा करेंगे, लेकिन वे जनता के आशा और उम्मीद पर पानी फेर दिया। छात्र और जनता सांसद और विधायक से खासा नाराज है, आन्दोलन कि बिगुल फूंक दिया है, ऐसे में अब जबरन अपनी नाकामी छुपाने के लिए इंडी गठबंधन का नाम लेकर जनता को मुख्यमंत्री से मिलने की सलाह दे रही है। जनता सब समझती है और वक्त आने पर हिसाब करेगी।

छात्रों-युवाओं और जेजे कॉलेज बचाने की आवाज संसद और विधानसभा में गूँजनी चाहिए थी,लेकिन फुस्स लेटर बम छोड़ रहें थे माननीय-समिति

झुमरीतिलैया - जेजे कॉलेज बचाओ समिति की बैठक जेजे कॉलेज,झुमरीतिलैया में हुई।अध्यक्षता पूर्व छात्र नेता महेश भारती ने की,जबकि संचालन पूर्व छात्र नेता देवेन्द्र कुमार ने की। बैठक में कोडरमा जिले के विनोबा भावे विश्वविद्यालय से अंगीभूत जेजे कॉलेज समेत अन्य शैक्षणिक संस्थानों को गिरिडीह के सर जेसी बोस विश्वविद्यालय में समाहित करने को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कोडरमा के छात्रों के साथ अन्याय पूर्ण नीति लाने और गजट प्रकाशित होने पर उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व छात्र नेता महेश भारती व रवि पासवान ने कहा कि राज्य में शिक्षा सुधार के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नए विश्व विद्यालय बनें, इससे कोई भी दिक्कत नही है।लेकिन छात्रों के भावनाओं को आहत करने वाली और छात्र-छात्राओं को मुसीबत में डालने वाली नीति केंद्र व राज्य सरकार लाई है, तो

छात्र अपने अधिकार की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इग्नव से हटाकर जेसी बोस विश्व विद्यालय से जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के कॉलेजों को जोड़ने का गजट प्रकाशित किया है, जो छात्र हितों की अनदेखी है और आवागमन के नजरिये से काफी कष्टदायक है। उन्होंने कहा कि कोडरमा के सांसद-विधायक कोडरमा के हर वर्ग और हर नागरिक के जनप्रतिनिधि है, लेकिन उनकी बात अगर सरकार और महामहिम ने नही सुनी, तो उन्हें सड़को पर उतरना चाहिए था।लेकिन 2024 में पत्र लिखने की केवल औपचारिकता निभा कर मामले से खुद को अलग रखा।छात्रों-युवाओं और जेजे कॉलेज बचाने की आवाज संसद और विधानसभा में गूँजनी चाहिए थी,लेकिन विरोध की जगह फुस्स लेटर बम छोड़ा जा रहा था। जेजे कॉलेज,महिला कॉलेज, बीएड अध्ययन रत है, लेकिन 17 हजार से ज्यादा छात्र मुद्दे सदन तक नही पहुँची, इसलिए, जेजे कॉलेज बचाने की आवाज सड़को पर गूंजेगी।उन्होंने आह्वान किया कि अब भी देर नही हुई है, कोडरमा के स्वाभिमान की रक्षा और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए, छात्र-युवा के साथ आमजनता राजनीतिक बंधन को तोड़कर आंदोलन के साथ जुड़े और जेसी बोस विश्व विद्यालय में स्थानांतरण गजट को वापस लेने पर सरकार को मजबूर करें। बैठक को शिक्षाविद्ध राम रतन अवध्या,समाजसेवी सह पूर्व छात्र नेता सुरेश यादव,राजद जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव,भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी, नितेश चंद्रवंशी,जेएलकेएम नेता कृष्णा यादव, युवा नेता रोहित यादव,युवा नेता मो अलीशाद,तौफीक हुसैन ने संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर कोडरमा वासियों को सकारात्मक पहल करने की जरूरत है।कोडरमा जिले के सभी कॉलेजों को जेसी बोस विश्वविद्यालय से जोड़ने के निर्णय पर पुनर्विचार कर विनोबा भावे विश्वविद्यालय से ही अंगीभूत रखा जाए।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि राजनीतिक सहमति असहमति के बीच कोडरमा के छात्रों के हित मे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाते हुए सरकार और जिम्मेवार लोगों तक छात्रों की भावनाओं से अवगत कराया जाए।उन्होंने छात्र आंदोलन को गैर राजनीतिक परिपाटी में जे जे कॉलेज बचाने की मुहिम में हर संभव मदद और हिस्सेदारी निभाने की बात कही।

ब्रजपात की चपेट से 13 मवेशियों की मौत

तिसरी/गिरिडीह

रफ्तार मीडिया रंजन कुमार तिसरी प्रखंड के कंदुआ में शुक्रवार को ब्रजपात से 13 मवेशियों की मौत हो गया। तेज आंधी - पानी के साथ हुए वज्रपात में कंदुआ - बंदरचुआं मौजा के 5 आदिवासी किसानों के कुल 13 गाय और बैलों की मौत हो गई। बताया गया कि सभी मवेशी रोज की भांति सुबह जंगल की ओर चरने गई थी इसी दौरान भारी बारिश होने लगी जिसके कारण सभी मवेशी एक बांस के पेड़ के पास खड़े हो गए । अचानक वज्रपात की कहर वहां खड़ी मवेशियों की ऊपर गिरा और वहीं मौत हो गई । घटना की खबर मिलते ही गांव के लोग और स्थानीय मुखिया जानकी यादव घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ितों व स्थानीय मुखिया ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

रोटरी क्लब कोडरमा के यूथ टैलेंट शो में युवाओं ने बिखेरा प्रतिभा का रंग, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

झुमरी तिलैया रोटरी क्लब कोडरमा द्वारा आयोजित यूथ टैलेंट शो में युवाओं की प्रतिभा का अद्भुत संगम देखने को मिला। रंगारंग प्रस्तुतियों, संगीत की मधुर धुनों, योग, ताइक्वांडो, कविता और कला प्रदर्शन ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम में युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और मंच प्रदान करने का भरपूर अवसर दिया गया। डांसिंग, सिंगिंग, पेंटिंग, ताइक्वांडो,

योग, बांसुरी वादन, गिटार वादन, कविता पाठ, देसी संगीत, हास्य रस और फिल्म कला प्रदर्शन जैसी कई विधाओं में प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुति दी।रवि गुप्ता कवि ने अपनी रचनाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं श्वेता कुमारी की प्रस्तुति को भी खूब सराहना मिली। केशव राणा ने बांसुरी की मधुर धुनों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। पल्लवी और शिवम ने योग प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया, जबकि कृष्णा जायसवाल ने गिटार वादन से युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

संगम ने ताइक्वांडो कला का शानदार प्रदर्शन किया। स्वाति कुमारी ने देसी संगीत से लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। प्रियंका प्रियवादा और प्रेम कुमार ने फिल्म कला प्रदर्शन के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। रितिका कलर सहित कई अन्य प्रतिभागियों ने भी अपनी कला का शानदार प्रदर्शन कर खूब वाहवाही बटोरी।कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य सुरेश जैन एवं सुरेश जैनलिस्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम के परियोजना निदेशक मनीष अग्रवाल ने पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं रोटरी क्लब के सचिव संदीप सिंह ने कार्यक्रम के संचालन और समन्वय में सक्रिय योगदान दिया। रोटेरियन संतोष सिंह ने कहा कि यह आयोजन रोटरी इंटरनेशनल की युवा प्रेरणा विषयवस्तु के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष युवाओं को प्रोत्साहित करने और नई दिशा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यूथ टैलेंट शो भी उसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब समाज सेवा के साथ-साथ युवा उत्थान के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य करता है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करते हैं।

कोयलांचल में फिर गरजी बंदूकें: जोरापोखर में अवैध लोहा स्क्रैप के वर्चस्व में फायरिंग, युवक के सीने में लगी गोली, हालत नाजुक

अहले सुबह शौच के लिए निकले युवक पर अपराधियों ने चलाई गोली; घटनास्थल से खोखा और रोपवे का कटा तार बरामद, जांच में जुटे सिंदरी एसडीपीओ

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः धनबाद जिले में अवैध कारोबार पर एकाधिकार और वर्चस्व की खूनी जंग एक बार फिर शुरू हो गई है। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा डुमरी दो नंबर गली में शुक्रवार की अहले सुबह करीब 4 बजे वर्चस्व को लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। अवैध लोहा कटिंग विवाद में हुई इस गोलीबारी में रिक्की सिंह नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली युवक के सीने में लगी है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और दहशत का माहौल है।सीने में फंसी है गोली, बेहतर इलाज के लिए दुगार्पुर रेफर

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब चार बजे डुमरी दो नंबर गली में अचानक दो राउंड फायरिंग की आवाज से स्थानीय लोगों की नींद खुली। गोली लगने के कारण रिक्की सिंह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों और परिजनों ने आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी अत्यंत नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दुगार्पुर मिशन अस्पताल रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि गोली अभी भी युवक के सीने में ही फंसी हुई है, जिससे उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।लोहा कटिंग और चोरी के विवाद में वारदात की आशंका

घटना की सूचना मिलते ही जोड़ापोखर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने छानबीन के दौरान मौके से गोली का एक खोखा और रोपवे का कटा हुआ तार बरामद किया है। घटनास्थल से रोपवे का कटा तार मिलना इस बात की ओर साफ इशारा कर रहा है कि यह पूरा विवाद सरकारी संपत्तियों की अवैध कटिंग और लोहे की चोरी के सिंडिकेट से जुड़ा हुआ है।विरोध करने पर हर्ष और गोपु ने मारी गोलीः घायल की पत्नी

घायल रिक्की सिंह की पत्नी चंदा कौर ने पुलिस को बताया कि उनके पति सुबह शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान उन्होंने वहां कुछ संदिग्ध युवकों को देखा। जब रिक्की सिंह ने वहां खड़े होकर चोरों का विरोध किया और शोर मचाया, तो आरोपियों ने उन पर सीधी गोली चला दी। चंदा कौर ने हर्ष, गोपु और उनके अन्य अज्ञात साथियों पर सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम देने का सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अवैध लोहा कटिंग को लेकर इलाके में पहले से ही विवाद चल रहा था और उसी पुरानी रंजिश के तहत उनके पति को रास्ते से हटाने की कोशिश की गई है।सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, जल्द होगी गिरफ्तारीः एसडीपीओ

सिंदरी,एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो ने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं और संभावित कड़ियों को जोड़कर गहन जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों के भागने के रूट का पता चल सके। उन्होंने कहाः प्रारंभिक जांच में पूरा मामला रोपवे के लोहा कटिंग और अवैध कबाड़ कारोबार से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है।

पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि गोलीबारी चोरी के लोडिंग विवाद में हुई है या आपसी वर्चस्व की लड़ाई का परिणाम है। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।एसडीपीओ ने सख्त लहजे में कहा कि धनबाद जिले में किसी भी हाल में अवैध कारोबार को फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा और इस खूनी खेल में शामिल दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो नजीर बनेगी।

बारिश व आंधी में रणधीर वर्मा चौक पर धराशायी हुआ अस्थायी टेंट शेड, आवागमन प्रभावित ट्रैफिक जवानों ने मुस्तैदी दिखाकर मलबे को हटाया, यातायात कराया सुचारू

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। कोयलांचल में शुक्रवार की सुबह हुई तेज आंधी और बारिश ने जहां एक ओर लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। मौसम बदलते ही शहर के व्यस्ततम रणधीर वर्मा चौक पर जिला प्रशासन द्वारा लगाया गया अस्थायी टेंट शेड तेज हवाओं के झोंके नहीं सह सका और भरभरा कर सड़क पर गिर गया। चौक के दोनों तरफ के शेड गिरने के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई।जवानों ने संभाला मोर्चा:शेड गिरने के तुरंत बाद रणधीर वर्मा चौक पर तैनात ट्रैफिक जवानों और पुलिस पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाई। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक जवान सुनील रविदास और उनके सहयोगियों ने भारी बारिश के बीच खुद मोर्चा संभाला। पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए सड़क पर गिरे भारी टेंट और लोहे के मलबे को हटाना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मलबे को सड़क के किनारे किया गया, जिसके बाद यातायात व्यवस्था दोबारा सामान्य हो सकी। राहगीरों ने संकट के समय ट्रैफिक पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की।हीटवेव से बचाव के लिए बने थे शेडःगौरतलब है कि पिछले दिनों जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव (लू) को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक सराहनीय पहल की थी। शहर के उन प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त सिग्नल प्वाइंट्स पर इन अस्थायी छायादार शेडों का निर्माण कराया गया था, जहां ट्रैफिक होल्डिंग टाइम (लाल बत्ती का समय) ज्यादा रहता है। इसका मुख्य उद्देश्य सिग्नल पर रुकने वाले दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को चिलचिलाती धूप से बचाना था। लेकिन शुक्रवार को आए मौसम के यू-टर्न ने प्रशासन के इन दावों और शेड की मजबूती की पोल खोल दी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

संवाददाता धनबाद समामा औसाल : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने आज कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम कक्ष का सील, सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि यह मासिक रूटीन निरीक्षण है। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह ईवीएम वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, निर्वाचन शाखा के सागर कुमार (भजोहरि), राकेश कुमार, रजाक अंसारी, सजल मंडल व अन्य कर्मी मौजूद थे।

धनबाद की मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर के लिए पटना रवाना, चरित्र निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। क्रीड़ा भारती, उत्तर पूर्व क्षेत्र मातृशक्ति आयाम प्रशिक्षण वर्ग 2026 में भाग लेने के लिए धनबाद से महिलाओं का एक बड़ा दल पटना के लिए रवाना हुआ। यह दल धनबाद इंटरसिटी ट्रेन के माध्यम से क्षेत्र मातृशक्ति आयाम प्रमुख शकुंतला मिश्रा के नेतृत्व में प्रस्थान कर गया। प्रस्थान के समय महिलाओं ने शकुंतला मिश्रा को अंग वस्त्र और फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया और उनकी मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।यह प्रशिक्षण शिविर पटना के दानापुर खगोल स्थित एम.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर क्रीड़ा, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना है। आज के भौतिकवादी युग में जहां युवाओं का झुकाव आधुनिक पश्चिमी सभ्यता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं क्रीड़ा भारती का मानना है कि बिना व्यक्तिगत चरित्र निर्माण के राष्ट्र का निर्माण असंभव है। आज देश को खोखली बातों की नहीं, बल्कि धरातल पर चरित्रवान नागरिकों की आवश्यकता है।धनबाद से इस शिविर में भाग लेने के लिए शकुंतला मिश्रा के साथ डॉ. मितू सिन्हा (लेखक), रंजना सिंह, कंचन सिंह, रीना साहू, संतोषी कुमारी और माधवी कुमारी सहित कई अन्य महिलाएं अपने सहयोगियों के साथ शामिल हुई हैं।

आसनापानी से गिरफ्तार तीन आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
गोमिया थाना क्षेत्र के कथारा ओपी में दर्ज कांड संख्या 97/24 के तहत नामजद तीन आरोपियों को पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में यासीन अंसारी, अजहर अंसारी और मजहर अंसारी शामिल हैं, जो सभी आसनापानी के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने तीनों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजते हुए तेनुघाट जेल रवाना कर दिया। गोमिया पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आसनापानी में दबिश देकर तीनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

जनता दरबार में डीडीसी ने की सुनवाई, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित हम आपको सुनते हैं... (जनता दरबार) कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आम जनता की समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं/शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया।डीडीसी ने प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की गई। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव था, उनका तत्काल निष्पादन किया गया।

भीषण गर्मी के बीच मौसम का यू-टर्न, झमाझम बारिश से राहत

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया
तोपचांचीः पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली, जब अचानक मौसम ने करवट ली, आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। क्षेत्र के कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और वातावरण सुहावना हो गया।

लगातार बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया था। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। बच्चों, बुजुर्गों और मजदूर वर्ग को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में मौसम के अचानक बदले मिजाज ने लोगों को राहत पहुंचाई। बारिश शुरू होते ही लोगों के चेहरे खिल उठे। कई जगहों पर बच्चे बारिश का आनंद लेते नजर आए, वहीं दुकानदारों और राहगीरों ने भी राहत महसूस की। तेज हवाओं के कारण गर्मी का असर कम हुआ और लोगों ने लंबे समय बाद ठंडक का एहसास किया। बारिश से वातावरण में फैली धूल भी बैठ गई, जिससे हवा अपेक्षाकृत स्वच्छ हो गई। किसानों ने भी इस बारिश को फसलों के लिए लाभदायक बताया। उनका कहना है कि लंबे समय से वर्षा नहीं होने के कारण खेतों में नमी की कमी हो रही थी। बारिश से खेतों को पर्याप्त नमी मिलेगी, जिससे कृषि कार्यों में सहूलियत होगी। हालांकि कुछ किसानों ने ओलावृष्टि को लेकर चिंता भी जताई, लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे मौसम के लिए सकारात्मक संकेत माना। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दिया। बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ी और शाम के समय लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवाओं का आनंद लेते नजर आए। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में बारिश के बाद मौसम पूरी तरह खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक क्षेत्र में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है। विभाग ने लोगों को मौसम में होने वाले अचानक बदलाव के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे तोपचांचीवासियों के लिए शुक्रवार का यह मौसम किसी राहत भरे तोहफे से कम नहीं रहा। बारिश और ठंडी हवाओं ने लोगों को तपती गर्मी से बड़ी राहत प्रदान की है।

पहली बारिश ने खोली सफाई व्यवस्था की पोल, तालाब में तब्दील हुई सड़क

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बोकारो में हुई भारी बारिश के बाद लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली है। मालूम हो कि लगातार भीषण गर्मी ने जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया था, लेकिन हुई झमाझम बारिश के बाद बड़ी राहत बोकारो वासियों को मिली है। दूसरी ओर बारिश के कारण किसानों को भी फायदे हुए हैं लेकिन पहली बारिश ने शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दिया है। जगह-जगह हुए जल जमाव के बाद कई जगहों पर तालाब का नजारा भी देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में शहर की नालियों एवं गलियों की सफाई नहीं होने के कारण कई जगहों पर जल जमाव हो गया है, यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बरसात के दिनों में स्थिति नरकीय बन जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री पर रक्षा राज्य मंत्री ने किया हमला, कहा डिरेल हुई राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
राज्य के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि इरफान अंसारी सिर्फ मीडिया में बने रहने के लिए उन्हें ब्रेकिंग न्यूज चाहिए।

राज के स्वास्थ्य मंत्री मस्ती में है.

उन्होंने यह बातें पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए कही है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से डिरेल हो चुकी है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री देश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए मुफ्त में टिका लगवा रहे हैं। लेकिन झारखंड में टीका लगवाने का आंकड़ा कई सौ में है। जबकि अभी तक 10 लाख टीका लगा जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नाम टीका लगाने मैं हो ना जाए इसके लिए इस योजना को भी ब्रेक लगाने का काम कर रहे हैं ।उन्होंने कहा कि राज्य का रिम्स हो या फिर अनुमंडल अस्पताल सभी जगह स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से डिरेल है हो चुकी है।

तम्बाकू के दुष्प्रभाव पर निकाली गई जन जागरूकता रैली

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई के पूर्व शुक्रवार को कथारा ओपी क्षेत्र में तम्बाकू एवं नशा के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जनजागरूकता रैली, हस्ताक्षर अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन सिविल सर्जन बोकारो के निदेर्शानुसार कथारा ओपी बोकारो पुलिस, तम्बाकू नियंत्रण इकाई बोकारो एवं राष्ट्रीय सेवा योजना केबी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के तहत कथारा थाना क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही तम्बाकू छोड़ने हेतु टॉल फ्री नंबर 1800112356 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया तथा कोटपा अधिनियम-2003 के विभिन्न प्रावधानों के अनुपालन को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया।सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि झारखंड में कुल जनसंख्या का लगभग 38.9 प्रतिशत लोग तम्बाकू का उपयोग करते हैं, जिनमें 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 5.1 प्रतिशत बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं युवाओं को नशे की लत से बचाना समाज एवं सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है।उन्होंने जानकारी दी कि 26 मई से 26 जून तक जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से तम्बाकू एवं नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान शपथ ग्रहण, जागरूकता रैली, बैठक, कोटपा-2003 के प्रावधानों के अनुपालन तथा एनडीपीएस एक्ट-1985 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। मौके पर जिला परामर्शी मो. असलम ने बताया कि कथारा ओपी प्रभारी राजेश कुमार प्रजापति के सहयोग से रैली के पश्चात तम्बाकू छोड़ने हेतु टॉल फ्री नंबर के प्रचार-प्रसार के लिए ऑटो पर पोस्टर चस्पा किए गए हैं। साथ ही, हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि तम्बाकू शरीर के लगभग हर हिस्से को नुकसान पहुंचाता है।उन्होंने बताया कि कोटपा-2003 के विभिन्न प्रावधानों के अनुपालन हेतु छह दुकानों का चालान किया गया तथा 650 रुपये अर्थदंड के रूप में वसूला गया।

बोकारो पुलिस कप्तान ने किया दो थानों का औचक निरीक्षण, दिया कई निर्देश

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
पुलिस अधीक्षक, बोकारो नाथू सिंह मीणा द्वारा चिरा चास व पिंडराजोरा थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ,सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं सीरिस्ता के कार्यों की समीक्षा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों से पूछताछ कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आम जनता की समस्याओं का त्वरित व विधिवत समाधान करने का निर्देश दिया गया।सभी लंबित कांडों, वारंट, इस्तेहार व कुर्की का ससमय निष्पादन हेतु निर्देशित किए जाने का आदेश दिया, उन्होंने कहा किसी भी कीमत पर कार्य में लापरवाही स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने पासपोर्ट , चरित्र सत्यापन संबंधित मामलों को समयबद्ध तरीके से निष्पादन हेतु निर्देशित किया । प्रत्येक थाना में सप्ताह में एक दिन थाना दिवस का आयोजन अनिवार्य रूप से करने के संबंध में भी निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि पब्लिक का कार्य समय से निष्पादित हो, नियमित गश्त करने, बैंकों एवं सार्वजनिक संपत्तियों की भी निगरानी करने पर जोर दिया।

बीएसएल के कारण विस्थापित हुए परिवारों के बच्चों को बीएसएल देगा छात्रवृत्ति

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
फोटो
बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के शिक्षा विभाग द्वारा बीएसएल निर्माण के कारण विस्थापित परिवारों के वैध/ सौतेले (पुत्र एवं पुत्रियों) के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-28 हेतु ह्वबिरसा मुंडा छात्रवृत्तिह्व योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने वर्ष 2026 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा किसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-28 में +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट में नामांकन प्राप्त किया है।जारी परिपत्र के अनुसार, +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट के प्रथम वर्ष के लिए चयनित विद्यार्थियों को ?500 प्रतिमाह तथा द्वितीय वर्ष के लिए ?750 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह सुविधा अधिकतम दो वर्षों तक उपलब्ध रहेगी।छात्रवृत्तियां पूर्णतः योग्यता (मेरिट) के आधार पर प्रदान की जाएंगी तथा कुल 25 विद्यार्थियों का चयन ह्वबिरसा मुंडा छात्रवृत्तिह्व योजना के लिए किया जाएगा। छात्रवृत्ति की राशि चयनित विद्यार्थियों के बैंक खाते में ऑनलाइन माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।यह योजना केवल विस्थापित परिवारों के वैध/ सौतेले संतानों के लिए लागू होगी। साथ ही, ऐसे छात्र जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-28 से पूर्व किसी अन्य सत्र में इस पाठ्यक्रम में नामांकन लिया है, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे।आवेदन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, डीपीएलआर द्वारा निर्गत एवं स्व-अभिप्रमाणित विस्थापन प्रमाण पत्र, मैट्रिक अंकपत्र तथा बैंक पासबुक अथवा निरस्त चेक की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।इच्छुक अभ्यर्थियों को विहित प्रपत्र में आवेदन बीएसएल के एच आर (एल एंड डी) विभाग, कक्ष संख्या-01 में 20 जुलाई 2026 तक जमा करना होगा।

रोटरी आई हॉस्पिटल में हास्ययोग की सायंकालीन कार्यशाला आयोजित

रफ्तार मीडिया संवाददाता गिरिडीहः रोटरी आई हॉस्पिटल गिरिडीह में झारखंड हास्य योग के प्रमुख संचालक सह प्रशिक्षक अजीत कुमार द्वारा हास्य योग केंद्र (भारत) के तत्वाधान में हास्य योग कार्यशाला आयोजित की गयी। इस दौरान वर्तमान समय में हास्य योग की महत्ता पर चर्चा की गयी। आज के तनाव पूर्ण युग में हास्य योग की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। योग और हास्य का अद्भुत संगम हास्ययोग है, जिससे
शारीरिक, मानसिक एवं प्राणिक स्वस्थता और प्रसन्नता प्राप्त होती है। कार्यक्रम में आयोजक देवराज आनंद ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के लिए हर्ष व्यक्त किया गया। अर्चना बरनवाल के "अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम" मधुर भजन में सभी झूम उठे। तत्पश्चात, झारखंड हास्य योग प्रशिक्षक अजीत कुमार ने विभिन्न हास्ययोग क्रियाएं यथा नमस्तेहास्य, तीरकमान हास्य, लस्सी हास्य, ट्रैक्टर हास्य, शिकायत हास्य, प्रशंसा हास्य, मालिश हास्य, बेली हास्य आदि हास्ययोग क्रियाएं विधि पूर्वक करायी और लाभ भी बताया। योग क्रियाओं के साथ हास्य की अनूठी पहल की लोग तनावरहित होकर भरपूर आनंद उठाया।
विदित है, कि अजीत कुमार गिरिडीह के निवासी है और झारखंड ग्रामीण बैंक में क्षेत्रीय प्रबंधक से सेवानिवृति के बाद जन साधारण को निःशुल्क हास्ययोग एवं अच्छी जीवन शैली की चर्चा कर स्वस्थ ,सशक्त एवं सुखी समाज बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। श्री कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय हास्य योग गुरु जितेन कोही जी का संदेश "हँसता संसार, स्वस्थ संसार " एक स्वास्थ्य आंदोलन है। स्वस्थ जीवन शैली के तीन मंत्र..डॉक्टर डाइट, डॉक्टर शांति और डॉक्टर स्माइल का अनुकरण लाभकारी है।
कार्यक्रम के अंत में, अजीत कुमार जो आर्ट ऑफ लिविंग के रांची जिला के सदस्य भी हैं ने सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदीप डालमिया जी को आर्ट ऑफ लिविंग की अनसंग हीरो अवार्ड से सम्मानित किया। प्रदीप डालमिया रोटरी के साथ-साथ गुरुदेव रवि शंकर आर्ट ऑफ लिविंग से वर्षो से जुड़कर समाज की निःस्वार्थ सेवा कर रहे हैं।

टाउनशिप के विभिन्न हिस्सों में शनिवार से बदलेगा जलापूर्ति का समय, नई समय-सारणी जारी

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बोकारो स्टील टाउनशिप क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों में बेहतर और पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीएसएल जलापूर्ति विभाग ने नई समय-सारणी जारी की है। विभाग के अनुसार, 29 मई 2026 से कई प्रमुख इलाकों में पानी की सप्लाई बदले हुए समय के अनुसार की जाएगी।जारी नई समय-सारणी के अनुसार सेक्टर 8 ए और बी में सुबह 9:15 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक जलापूर्ति होगी। वहीं सेक्टर 8 सी और डी तथा 4जी के आंशिक हिस्सों में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक पानी की सप्लाई की जाएगी।
इसके अलावा को-ऑपरेटिव कॉलोनी में दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक जलापूर्ति निर्धारित की गई है। बीएसएल जलापूर्ति विभाग ने नागरिकों से नई व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। इसके अलावा लोगों से आग्रह किया गया है कि वे नए समय-निर्धारण को ध्यान में रखते हुए पहले से पानी के भंडारण की व्यवस्था कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

त्रिभाषा फार्मूला है भारत की शिक्षा का नया क्षितिज

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों और परंपराओं का विराट संगम है। यहां भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना का आधार भी है। ऐसे बहुभाषी देश में शिक्षा व्यवस्था को किस भाषा में संचालित किया जाए और बच्चों को कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाएं, यह प्रश्न लंबे समय से बहस और राजनीति का विषय रहा है। इसी संदर्भ में त्रिभाषा फामूर्ला भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अवधारणा के रूप में सामने आया। आज नई शिक्षा नीति-2020 और सीबीएसई के ताजा निर्णय ने इसे नए स्वरूप में पुनः प्रासंगिक बना दिया है। नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को अनिवार्य करने का निर्णय केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की भाषाई आत्मा को मजबूत करने का दूरदर्शी प्रयास है। त्रिभाषा फामूर्ला मूलतः 1964-66 के कोठारी आयोग की देन है। इसका उद्देश्य था कि भारत के छात्र तीन भाषाएं सीखें-पहली मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी या अन्य भारतीय भाषा तथा तीसरी अंग्रेजी। इस व्यवस्था के पीछे भावना यह थी कि देश के विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद, समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाया जाए।

त्रिभाषा फामूर्ला का उद्देश्य ही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी से परिचित हों। किंतु दुर्भाग्य से यह नीति अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप सफल नहीं हो सकी। इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक विवाद और भाषाई असंतुलन रहा। विशेषकर दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में इसे हिंदी थोपने के प्रयास के रूप में देखा गया। वहां यह भावना बनी कि केंद्र सरकार हिंदी को राष्ट्रभाषा के नाम पर क्षेत्रीय भाषाओं पर वर्चस्व दिलाना चाहती है। दूसरी ओर उत्तर भारत ने भी त्रिभाषा फामूर्ले की आत्मा को गंभीरता से नहीं अपनाया। यहां अधिकांश राज्यों ने तीसरी भाषा के रूप में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को अपनाने के बजाय संस्कृत को शामिल कर औपचारिकता पूरी कर ली। परिणाम यह हुआ कि जिस पारस्परिक भाषाई संवाद एवं सौहार्द की कल्पना की गई थी, वह विकसित नहीं हो सका। आज भी स्थिति यह है कि उत्तर भारत के अधिकांश निजी विद्यालयों में बच्चों को अंग्रेजी के साथ फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं की उपेक्षा की जाती है। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में हिंदी तक को गौण बना दिया गया है। यह विडंबना ही है कि विदेशी भाषाएं आधुनिकता और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि अपनी मातृभाषा या भारतीय भाषाएं अतिरिक्त बोझ बताई जाती हैं। यह मानसिकता भारतीय भाषाओं के प्रति हीनभावना को दशार्ती है। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए। त्रिभाषा फामूर्ला भारतीय भाषाओं विशेषतः हिंदी को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक है। यह केवल भाषा सीखने की नीति नहीं, बल्कि भारत की भाषाई एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। इस व्यवस्था से उत्तर भारत के विद्यार्थी दक्षिण भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समझ सकेंगे, जिससे भाषाई दूरी और क्षेत्रीय संकीर्णता कम होगी।

साथ ही मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करती है। आज वैश्वीकरण के दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान उपयोगी अवश्य है, लेकिन अपनी भाषाओं की उपेक्षा किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करती है। इसलिए त्रिभाषा फामूर्ला भारतीय भाषाओं को सम्मान देने, हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मजबूत बनाने तथा भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है।

सवालों से बचती सत्ता और घुटनों पर बैठा मीडिया

दिलीप कुमार पाठक

30 मई को भारत में हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे देश में हिंदी भाषा में पहला अखबार शुरू होने की याद में मनाया जाता है। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने साल 1826 में इसे कोलकाता से शुरू किया था। उस दौर में पत्रकारिता का एक ही मकसद था, देश को आजाद कराना और समाज को जगाना। लेकिन आज जब हम इस दिन को मनाते हैं, तो खुशी से ज्यादा हमारे मन में एक चिंता होती है। आज की पत्रकारिता उस ऊंचे रास्ते से बहुत दूर आ चुकी है। आज हमारा मीडिया और पत्रकारिता का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पत्रकारिता को कभी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था, जिसका काम जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और सरकार की कमियों को सामने लाना था। लेकिन आज ऐसा लगता है कि यह स्तंभ कमजोर हो चुका है। अखबारों और टीवी चैनलों पर अब जनता के असली मुद्दे, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य गायब हो चुके हैं। इसकी जगह दिन-रात धर्म के नाम पर विवाद, राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई और गैर-जरूरी सनसनीखेज खबरें दिखाई जाती हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ खींचने की इस अंधी दौड़ ने खबरों को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। भारतीय पत्रकारिता की यह गिरती हुई साख अब सिर्फ देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में धूमिल हो रही है। दुनिया भर में प्रेस की आजादी को नापने वाली सूची में भारत लगातार नीचे गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है। यह इस बात का साफ सबूत है कि हमारे देश में निष्पक्ष पत्रकारों के लिए काम करना कितना मुश्किल हो गया है। सरकार की कमियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है।

हाल ही में नॉर्वे दौरे पर हुई एक घटना ने वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की इस स्थिति को पूरी दुनिया के सामने ला दिया। ओस्लो में एक साझा प्रेस वार्ता के बाद, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोडियम से हटने लगे, तो नॉर्वे की एक महिला पत्रकार हेला लेंग ने उनसे एक सीधा और सरल सवाल पूछा कि, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के पत्रकारों के सवालों के जवाब क्यों नहीं देते? प्रधानमंत्री इस सवाल का बिना कोई जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गए, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया में फैल गया और इसने वैश्विक मंच पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा।

यह घटना एक और बड़े कड़वे सच को सामने लाती है। पिछले 12 सालों के अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत में एक भी पारंपरिक और स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, जब देश का मुखिया ही खुलकर पत्रकारों के तीखे और सीधे सवालों का सामना करने से बचता है, तो नीचे की पूरी व्यवस्था में जवाबदेही खत्म होने लगती है। जब सत्ता मीडिया के सामने जवाबदेह नहीं होगी, तो मीडिया भी धीरे-धीरे जनता के मुद्दे छोड़ सिर्फ सत्ता की तारीफ करने का जरिया बन जाता है।आज सोशल मीडिया और इंटरनेट के आने से आम लोगों को अपनी बात रखने का मौका तो मिला है, लेकिन वहां भी झूठी खबरें और नफरत का बाजार गर्म है। चंद रुपयों के लिए इंटरनेट पर झूठ फैलाया जाता है, जिससे समाज में आपसी भाईचारा खत्म होता है। असली और गंभीर पत्रकारिता इस शोर में कहीं दबकर रह गई है।

पत्रकारिता का जो काम समाज को जोड़ने का था, वह आज समाज को बांटने का जरिया बनता जा रहा है। इस गिरते दौर में हिंदी पत्रकारिता दिवस सिर्फ एक त्योहार की तरह मनाकर भूल जाने का दिन नहीं है। यह दिन गहराई से सोचने का है। आज मीडिया मालिकों, संपादकों और खुद पत्रकारों को यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे सिर्फ नेताओं और सरकारों की हां में हां मिलाना चाहते हैं या फिर से जनता की आवाज बनना चाहते हैं? एक नागरिक के तौर पर हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अंधभक्ति और नफरत परोसने वाले चैनलों को देखना बंद करें।

हमें उन गिने-चुने स्वतंत्र पत्रकारों का साथ देना चाहिए जो खुद को जोखिम में डालकर आज भी सच लिख रहे हैं। जब तक जनता सच का साथ नहीं देगी, तब तक पत्रकारिता का यह गिरता हुआ दौर नहीं सुधरेगा।

उत्तरप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में मायावती सभी जातियों को जोड़ने में लगी !

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए 2007 वाले सर्वजन (दलित-ब्राह्मण-मुसलमान) फॉमूर्ले को फिर से लागू करने की कोशिश कर रही है। अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए पार्टी भाईचारा कमेटियों के जरिए सभी जातियों को जोड़ने और टिकट वितरण में सोशल इंजीनियरिंग का दांव आजमा रही है। हालांकि, पार्टी की राह उतनी आसान नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों के चुनावों में हार के बाद, पार्टी का जनाधार काफी सिकुड़ गया है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बहुजन से सर्वजन की ओर जाने के पुराने प्रयोग से पार्टी का मूल वोट बैंक भ्रमित हुआ, जिसका फायदा अन्य दलों को मिला। अब 2026-2027 में मायावती एक बार फिर उसी सोशल इंजीनियरिंग फॉमूर्ले को आजमाकर अपनी खोई हुई ताकत हासिल करने का प्रयास कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के इस सर्वजन और सोशल इंजीनियरिंग फॉमूर्ले की सफलता और चुनौतियों को विस्तार से जानना जरुरी है ।

बकी करीब 20 सालों के बाद एक बार फिर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिये बसपा के पक्ष में दलितों के साथ ब्राह्मणों एवं मुसलमानों के वोटों की गोलबंदी देखी जा रही है। ब्राह्मणों और मुसलमानों के एक बार फिर बसपा की तरफ रुख करने की वजह में जाया जाए, तो ऐसा लगता है कि योगी राज में ब्राह्मणों को लग रहा है कि उनके साथ यह सरकार नाइंसाफी कर रही है। नौकरशाही से लेकर सरकार तक में महत्वपूर्ण पदों से ब्राह्मणों को दूर रखा गया है। यही वजह है कि पिछले कुछ समय में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में ब्राह्मण नेताओं का प्रवेश अधिक देखा गया है। जनवरी 2026 में अंबेडकर नगर से भाजपा के दिग्गज नेता राधेश्याम पांडे 51-100 ब्राह्मण समर्थकों के साथ बसपा में शामिल हुए। उन्होंने मायावती से मुलाकात कर पार्टी जॉइन की। दिसंबर 2025 में ब्राह्मण समाज के बड़े नेता जैसे जितेंद्र मिश्रा, दीपक द्विवेदी, नीरज पांडे, विशाल मिश्रा, वैभव दुबे, अनुराग शुक्ला, मोहित शर्मा भाजपा से बसपा में शामिल हुए। यह 2027 चुनाव से पहले भाजपा को झटका था। जनवरी 2026 में एक अन्य बड़े ब्राह्मण नेता ने मायावती से मुलाकात कर बसपा जॉइन की।

सवाल यह है कि क्या 2027 का उत्तर प्रदेश, 2007 वाला उत्तर प्रदेश है? क्या आज भी ब्राह्मण वोट सत्ता की दिशा तय करता है? क्या दलित समाज अब भी बसपा को अपना सबसे स्वाभाविक राजनीतिक घर मानता है? और क्या मायावती के पास वह संगठन, वे चेहरे और वह आक्रामकता बची है, जो भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच खुद के लिए जगह बना सके? इसके लिए 2007 को याद करना जरूरी है। बसपा ने 403 में से 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। पार्टी का वोट शेयर करीब 30।4 प्रतिशत था। उस चुनाव में बसपा ने लगभग 86 ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से बड़ी संख्या जीतकर विधानसभा पहुंची। सतीश चंद्र मिश्रा उस सोशल इंजीनियरिंग मॉडल का चेहरा बने। नारा था – ह्लब्राह्मण शंख बजाएगा, हाथी बढ़ता जाएगा।ह्व

उस समय राजनीतिक हालात अलग थे। भाजपा कमजोर थी। समाजवादी पार्टी यादव-मुस्लिम पार्टी की छवि में सीमित थी। कांग्रेस हाशिए पर थी और मायावती आक्रामक, निर्णायक तथा सत्ता संभालने वाली नेता के रूप में स्थापित थीं। दलित वोट लगभग पूरी तरह उनके साथ था। जाटव वोट बैंक बसपा की रीढ़ था और गैर-जाटव दलितों में भी पार्टी की पकड़ मजबूत थी।लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट शेयर गिरकर करीब 12। 9 प्रतिशत पर पहुंच गया। पार्टी केवल बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट जीत सकी। 2017 विधानसभा चुनाव में बसपा को 19 सीटें मिली थीं और उसका वोट शेयर करीब 22 प्रतिशत था। यानी 2017 से 2022 के बीच पार्टी लगभग आधी राजनीतिक ताकत खो बैठी।

सबसे बड़ा झटका संगठनात्मक स्तर पर लगा। बसपा का कैडर, जो कभी बूथ स्तर तक सक्रिय माना जाता था, धीरे-धीरे निष्क्रिय होता गया। पार्टी के बड़े चेहरे या तो भाजपा और सपा में चले गए या फिर राजनीति से किनारा कर लिया। कई जिलों में बसपा के पास ऐसा स्थानीय नेतृत्व नहीं बचा, जो लड़ाई को जमीन पर मजबूती से खड़ा कर सके।

ऐसे में सवाल उठता है कि मायावती फिर ब्राह्मण कार्ड क्यों खेल रही हैं? इसकी सबसे बड़ी वजह है राजनीतिक जमीन की तलाश। आज यूपी की राजनीति दो बड़े खेमों – भाजपा और सपा – में बंटी हुई है। कांग्रेस का दायरा सीमित है और बसपा लगातार सिकुड़ रही है। मायावती को लगता है कि अगर उन्हें वापसी करनी है, तो कोई बड़ा सामाजिक समीकरण खड़ा करना होगा। सिर्फ दलित वोट के भरोसे सत्ता तक पहुंचना अब संभव नहीं दिखता। यहीं से फिर ब्राह्मण-दलित फॉमूर्ले की चर्चा शुरू होती है।

लेकिन क्या ब्राह्मण समाज आज बसपा के साथ आने की स्थिति में है? 2007 में ब्राह्मणों का एक हिस्सा समाजवादी पार्टी से दूरी बनाकर बसपा की तरफ आया था, क्योंकि उन्हें कानून-व्यवस्था और राजनीतिक प्रतिनिधित्व चाहिए था। उस दौर में भाजपा सत्ता की मुख्य दावेदार नहीं थी। लेकिन 2014 के बाद भाजपा ने उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोट बैंक पर जबरदस्त पकड़ बना ली।

2014 लोकसभा चुनाव, 2017 विधानसभा चुनाव, 2019 लोकसभा चुनाव और 2022 विधानसभा चुनाव। हर चुनाव में ब्राह्मणों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ खड़ा दिखाई दिया। उरऊर और अन्य पोस्ट-पोल सर्वे बताते हैं कि 2022 में भी लगभग 80 प्रतिशत ब्राह्मण वोट भाजपा गठबंधन को मिला। जबकि बसपा ने बड़ी संख्या में ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे और ह्लप्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनह्व भी किए, लेकिन उसे जमीन पर समर्थन नहीं मिला।

आज ब्राह्मण वोटर किन आधारों पर वोट करता है? पहला, सत्ता के करीब कौन है। दूसरा, हिंदुत्व की राजनीति में कौन मजबूत है। तीसरा, स्थिर सरकार कौन दे सकता है। इन तीनों पैमानों पर फिलहाल भाजपा मजबूत दिखाई देती है।तो क्या मायावती सिर्फ सांकेतिक राजनीति कर रही हैं या उनके पास कोई गहरी रणनीति है?मायावती अच्छी तरह समझती हैं कि अगर बसपा को राजनीतिक रूप से जिंदा रखना है, तो उसे सिर्फ ह्लदलित पार्टीह्व की छवि से बाहर आना होगा। यही वजह है कि वे ह्लसर्वजनह्व लाइन की तरफ लौटती दिखाई दे रही हैं। ब्राह्मण सम्मेलन उसी रणनीति का हिस्सा हैं। दूसरी चुनौती दलित वोट बैंक की है। बसपा की सबसे बड़ी ताकत दलित वोट था, खासकर जाटव समुदाय। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने गैर-जाटव दलितों में बड़ी सेंध लगाई है। पासी, वाल्मीकि, कोरी, धोबी जैसे कई समुदाय भाजपा की तरफ गए। वजह सिर्फ हिंदुत्व नहीं थी। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं – मुफ्त राशन, उज्ज्वला, आवास और शौचालय जैसी योजनाओं – का भी बड़ा असर रहा। यानी भाजपा ने सिर्फ सवर्ण राजनीति नहीं की, बल्कि सामाजिक विस्तार भी किया। और यही मायावती की सबसे बड़ी मुश्किल है। अगर दलित वोट बैंक बिखर रहा हो और ब्राह्मण वोट पहले से भाजपा के साथ हो, तो नया सोशल इंजीनियरिंग मॉडल खड़ा कैसे होगा?

हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी:45 डिग्री के पार तापमान, संकट में जनजीवन

सुनील कुमार महला

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है।

कहना गलत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं। खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में, गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव जल संकट, खेती और बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। नदियां, तालाब और जल स्त्रोत सूखते जा रहे हैं। किसानों के लिए भी यह समय बेहद कठिन बनता जा रहा है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी फसलों की उत्पादकता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या भी सामने आ रही है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि गर्मी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए, जितनी बाढ़, भूकंप या तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं को दी जाती है। हीटवेव को भी राष्ट्रीय आपदा की तरह समझने और उससे निपटने के लिए व्यापक तैयारी करने की जरूरत है। लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए, अधिक पानी पीना चाहिए और जरूरतमंद लोगों, पशु-पक्षियों तथा बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी लोगों से अपील की है कि वे गर्मी से होने वाली समस्याओं को नजरअंदाज न करें और दूसरों की मदद के लिए आगे आएं।

साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें।

सुखद है 200 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर।

यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई।यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था समाचार सूर्य। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। उदन्त मार्तण्ड के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना,सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे, समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। बनारस अखबार,हिन्दी प्रदीप,कवि वचन सुधा, भारत मित्र, सरस्वती और प्रताप जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का प्रताप केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

**सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।
यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।**

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।

वैश्विक उथल-पुथल से किचन का बजट बिगड़ा, खाद्य तेल 13 फीसदी महंगा

एफएमसीजी कंपनियों पर भी बढ़ा बोझ, पैकेज्ड फूड भी होगा महंगा

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल का सीधा असर अब भारतीय घरों की रसोई पर दिख रहा है। फरवरी से अब तक खाद्य तेलों की थोक कीमतों में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती महंगाई के बाद खाद्य तेलों की यह नई मार उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव से परिवहन, बीमा और शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से पाम तेल का आयात भी महंगा हुआ है। इसके अलावा, इंडोनेशिया के बायोफ्यूल में 50 फीसदी पाम तेल मिश्रण कार्यक्रम से वैश्विक आपूर्ति और घट सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी खाद्य तेल जरूरतें आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहां तेजी से महसूस होता है। बढ़ती ईंधन कीमतें किसानों की लागत और माल ढुलाई खर्च भी बढ़ा रही हैं। इसका असर अब एफएमसीजी सेक्टर पर भी दिख रहा है। नमकीन, बिस्कुट और बेकरी आइटम बनाने वाली कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि कंपनियां जल्द ही यह बोझ उपभोक्ताओं पर डालेंगी, जिससे पैकेज्ड फूड भी महंगा हो जाएगा।

वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- आरबीआई

मजबूत वृहद आर्थिक आधार, पूंजीगत व्यय और बेहतर बैंकिंग बही-खाते वृद्धि को देंगे सहारा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए बताया कि देश के मजबूत वृहद आर्थिक आधार, कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के बेहतर बही-खाते और सरकार के पूंजीगत व्यय पर जोर से आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि को बल मिलेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अन्य वैश्विक चुनौतियां प्रमुख जोखिम बनी रहेंगी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में उभरे भू-राजनीतिक जोखिम, विशेषकर पश्चिम एशिया में संघर्ष का लंबा खिंचना, वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों के लिए एक नकारात्मक जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भी वृद्धि को गति देगा। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगा। अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती है, हालांकि हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभावों को आंशिक रूप से कम कर सकती है। मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं, लेकिन सरकार के विविध स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों से इन चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा कि 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य (4 प्रतिशत, दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। यह पर्याप्त खाद्यान्न भंडार और जलाशयों में जल स्तर के कारण संभव होगा। भविष्य की पहल के तौर पर आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने और वित्तीय परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन पर विचार कर रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,092 , निफ्टी 359 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही।

वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

नेट न्यूट्रैलिटी विवाद में कूदी वीआई, एयरटेल की 5जी प्राथमिकता पर जताई चिंता

कंपनी ने कहा, सबको समान इंटरनेट अनुभव मिलना चाहिए

नई दिल्ली।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने हाल ही में भारती एयरटेल की कुछ 5जी-आधारित पोस्टपेड योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कंपनी का मानना है कि ये योजनाएं, जो कुछ ग्राहकों को प्राथमिकता वाली नेटवर्क सेवाएं प्रदान करती हैं, नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का उल्लंघन कर सकती हैं और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान इंटरनेट अनुभव के अधिकार को प्रभावित कर सकती हैं।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब संसद की एक स्थायी समिति भी ऐसी सेवाओं की वैधता की जांच कर रही है। सभी के लिए समान और सुलभ इंटरनेट कनेक्टिविटी को खतरे में देखते हुए, दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया ने भारती एयरटेल की 5जी स्लाइसिंग पर आधारित प्राथमिकता वाली पोस्टपेड योजनाओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वीआई ने उपभोक्ता हितों को प्रमुखता देते हुए तर्क दिया है कि किसी उपयोगकर्ता के प्रोफाइल के आधार पर विशेष नेटवर्क गति या सेवाएं प्रदान करना नेट न्यूट्रैलिटी नियमों का उल्लंघन है और डिजिटल तंत्र की समानता पर सवाल उठाता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत की डिजिटल वृद्धि सभी के लिए किफायती और सुलभ कनेक्टिविटी पर टिकी है। उन्होंने जोर दिया कि हर उपभोक्ता को एक समान और निर्बाध नेटवर्क अनुभव मिलना चाहिए।

भारत की डिजिटल वृद्धि जारी रखने के लिए तकनीक में प्रगति के साथ-साथ, नवाचार और पैसा बनाने के मॉडल में सभी ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। पारदर्शिता और सब तक इसकी उपलब्धता अहम है।

जापान नहीं जाएगा भारतीय आम, आम निर्यातक और किसान की बढ़ी चिंता

अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया में मिलीं तकनीकी खामियां

नई दिल्ली।

भारतीय आमों की मिठास इस बार जापान तक नहीं पहुंच पाएगी। करीब दो दशक पहले हटाए गए प्रतिबंध के बाद लगातार जारी भारतीय आमों के निर्यात पर जापान ने एक बार फिर अस्थायी रोक लगा दी है। इस फैसले से आम निर्यातकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह प्रतिबंध ऐसे समय लगाया गया है जब अप्रैल से जून के बीच आमों का निर्यात अपने चरम पर होता है। इस रोक का सबसे ज्यादा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी आम किस्मों पर पड़ेगा, जिनकी जापान में अच्छी मांग है।

जानकारी के मुताबिक जापान हर साल आम के निर्यात सीजन से पहले अपनी क्वारंटीन टीम भारत भेजता है। यह टीम उन वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्रों का निरीक्षण करती है, जहां जापान भेजे जाने वाले आमों को प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में आमों को गर्म और नमी वाली हवा में रखा जाता है ताकि फल मक्खियों और अन्य कीटों को खत्म किया जा सके। जापान के लिए आम निर्यात करने में यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जापानी अधिकारियों को वहां सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया से जुड़ी कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। हालांकि दोनों देशों की सरकारों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में कौन-कौन सी कमियां मिलीं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि

मौजूदा निर्यात सीजन के दौरान यह समस्या सुलझ पाएगी या नहीं। जापान के प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन और भारत की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अभी तक किसी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस कारण निर्यातकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।

बता दें जापान ने पहली बार 1986 में भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि उसे फल मक्खियों के संक्रमण का खतरा था। करीब 20 साल बाद 23 जून 2006 को यह प्रतिबंध हटाया गया था और उसके बाद भारत से जापान को आमों का निर्यात दोबारा शुरू हुआ। जापान ने केवल छह भारतीय किस्मों अल्फांसो, केसर, बंगनपल्ली, लंगड़ा, चौसा और मलिका को आयात की अनुमति दी थी। इन आमों को निर्यात से पहले वेपर हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य किया गया था। हालांकि जापान भारतीय आमों का सबसे बड़ा बाजार नहीं है, लेकिन यह प्रीमियम बाजार माना जाता है। जापान में भारतीय आमों को ऊंची कीमत मिलती है, इसलिए यह प्रतिबंध निर्यातकों की कमाई पर सीधा असर डाल सकता है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था मजबूत, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई हैवहीं, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर बना हुआ है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के बावजूद, स्थिर घरेलू मांग और मजबूत सेवा क्षेत्र के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में भी मजबूत बनी रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति और मजबूत अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुख्य महंगाई दर में नरमी आई। वहीं, जमा और ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार राजकोषीय समेकन जारी रखे हुए है और पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर दिया है। वहीं, वैश्विक अनिश्चितता में इजाफे के बाद भी बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। आरबीआई के मुताबिक 2025-26 में चालू खाता घाटा अपने निर्धारित स्तर के भीतर ही रहा और विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त स्तर पर बना रहा, जिससे व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को समर्थन मिला। भारतीय वित्तीय बाजारों ने लचीलापन प्रदर्शित किया, जिसमें मुद्रा बाजार दरें नीतिगत रेपो दर और मौजूदा तरलता स्थितियों के अनुरूप विकसित हुईं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2025-26 में इक्विटी बाजारों में द्विदिशात्मक गति देखी गई। एक तरफ सहायक मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों ने बाजार भावना को बेहतर बनाया, जबकि भू-राजनीतिक और टैरिफ अनिश्चितताओं, और एआई से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न नकारात्मक वैश्विक संकेतों ने दबाव बनाने का काम किया। वहीं, अप्रैल 2025 में अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी झटकों के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहा। देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर निवेश, उपभोग में वृद्धि और सेवा क्षेत्र में मजबूती और आपूर्ति पक्ष में औद्योगिक गतिविधि में सुधार से गति मिल रही है।

भारत-कनाडा ने व्यापार एवं निवेश मंच का अनावरण किया

व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और संपर्क मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली।

भारत और कनाडा ने आपसी व्यापारिक सहयोग को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

दोनों देशों ने संयुक्त रूप से एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों को एक साथ लाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया कनाडा यात्रा के समापन के बाद शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इस नए मंच का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि भारत और कनाडा ने लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की है, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। मंत्री गोयल ने अपनी तीन दिवसीय (25-27 मई) कनाडा यात्रा के दौरान व्यापार जगत के कई दिग्गजों से मुलाकात की और अपने कनाडाई समकक्ष मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

पेट्रोल पंप पर अब ग्राहक चुन सकेंगे अपना इथेनॉल ब्लेंड्स

सरकारी व निजी तेल कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को एक बड़ी सुविधा देने का ऐलान किया है। अब वाहन मालिक अपनी गाड़ी के इंजन की क्षमता और अनुकूलता के हिसाब से ई20, ई22, ई25 और ई30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल विकल्पों में से अपनी पसंद का ईंधन चुन सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल कंपनियों के साथ-साथ निजी रिटेलर्स जैसे जियो-बीपी, नायरा और शेल को भी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत देश भर के पेट्रोल पंपों पर विभिन्न इथेनॉल ब्लेंड्स के लिए अलग-अलग नोजल और डिस्प्ले की व्यवस्था की जाएगी।कंपनियों को नई डिस्पेंसिंग यूनिट्स, स्टोरेज सिस्टम, ब्लेंडिंग कंट्रोल और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले तंत्र में निवेश करना होगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए पंपों पर इथेनॉल मिश्रणों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और इथेनॉल की मात्रा के आधार पर कीमतें भी अलग-अलग होंगी।

एलआईसी शेयरों में गिरावट नहीं, दोगुनी हुई निवेशकों की हिस्सेदारी

ऐतिहासिक 1-1 बोनस शेयर के साथ 10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित

मुंबई।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को आई लगभग 50 फीसदी की गिरावट ने निवेशकों को भले ही चौंकाया हो, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। दरअसल, कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1-1 बोनस शेयर जारी किए हैं, जिसके चलते यह प्राइस एडजस्टमेंट देखने को मिला। शेयर 823 रुपए के स्तर से टूटकर 416 रुपए पर आ गया, जो रिकॉर्ड डेट पर बोनस शेयरों के लिए किया गया सामान्य समायोजन है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर के बदले उन्हें एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिला है, जिससे उनकी कुल शेयरहोल्डिंग दोगुनी हो गई है। यह ऐतिहासिक फैसला कंपनी के मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद लिया गया, जहां मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए रहा। बोनस के साथ एलआईसी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि शेयरों की संख्या बढ़ने से बाजार में इसकी लिक्विडिटी बढ़ेगी, जिससे छोटे

निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना और भी सुलभ हो जाएगा। एडजस्टमेंट के बाद, शेयर मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, और कंपनी का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

पीसी ज्वैलर का शानदार कमबैक- 90 प्रतिशत से अधिक कर्ज चुकाया, शेयर बना रॉकेट

मुंबई।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की तूफानी तेजी के साथ 10.48 रुपये पर पहुंचे। इस उछाल का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक बकाया कर्ज का भुगतान और जल्द ही पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने का ऐलान है।

कंपनी अब पूर्णतः कर्ज मुक्त होकर बाजार में अपनी आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है, इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया कि बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट के बाद से कंपनी ने अपने बकाया कर्ज का 90 प्रतिशत से अधिक सफलतापूर्वक चुकाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त होगी, जिसके बाद वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर गर्ग ने वित्त वर्ष 2026 को कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष बताया, जहां इसने अपनी गति वापस हासिल की और पूरे साल शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। वित्तीय प्रदर्शन के मुताबिक 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा सालाना आधार पर 61.3 प्रतिशत

बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान अवधि में 94.8 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 32.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा, जिसमें इबिट्डा मार्जिन 17.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पहले भी लाभ पहुंचाया है। जुलाई 2017 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए थे, और दिसंबर 2024 में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर को 1-1 रुपये के 10 शेयरों में विभाजित (स्टॉक स्प्लिट) किया गया था। पिछले छह सालों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 800 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है, जबकि पिछले पांच दिनों में इसमें 19 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है, जो कंपनी की मजबूत वापसी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

अशोक लीलैंड का रिकॉर्ड प्रदर्शन, मुनाफा 1,400 करोड़ के पार

वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने 2026 की चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक मुनाफा कमाया

नई दिल्ली।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 1,405 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तिमाही और पूरे वित्त वर्ष दोनों के लिए रिकॉर्ड राजस्व, एबिटा और वाहन बिक्री के साथ अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन वित्तीय स्थिति पेश की है। अशोक लीलैंड का परिचालन राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 19 फीसदी बढ़कर 14,160.49 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,066 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार के जीएसटी 2.0 प्रोत्साहन और वाहनों की प्रतिस्थापन मांग ने इस जोरदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 800-1,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना भी पेश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अशोक लीलैंड का शुद्ध लाभ 8 फीसदी बढ़कर 3,566 करोड़ रुपये रहा, जो नई श्रम संहिता के कारण 308 करोड़ रुपये के एकमुश्त बोझ के बावजूद हासिल हुआ। इस दौरान कुल राजस्व रिकॉर्ड 44,007 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और एबिटा 13 फीसदी बढ़कर 5,732 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 5,899 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी के साथ वर्ष का समापन किया। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 13 फीसदी बढ़कर 2,20,437 इकाइयों के नए सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2019 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ती है। निदेशक मंडल ने 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 2.50 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस बीच हवाई अड्डा संचालक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दिल्ली, हैदराबाद सहित कई शहरों में हवाई अड्डों का संचालन करने वाली जीएमआर एयरपोर्ट्स ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इसकी कुल आय बढ़कर 15,200.75 करोड़ रुपये हो गई।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही है। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम है।

एमपीएल के नए सीजन में इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी जबलपुर रॉयल लायंस

राहुल बाथम बोले- शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीतेंगे

इंदौर ।

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) के बहुप्रतीक्षित नए सीजन का काउंटडाउन शुरू होते ही क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुँच गया है। इस खिताबी महासमर में जबलपुर रॉयल लायंस (जेआरएल) नए आत्मविश्वास, अभेद्य रणनीतियों और विजय के एक दृढ़ संकल्प के साथ मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। संतुलित टीम संयोजन, अनुभवी सहयोगी स्टाफ और निडर खेल शैली के बल पर फ्रेंचाइजी को पूर्ण विश्वास है कि यह अभियान उनके इतिहास का सबसे स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा।सीजन से पहले टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिक सुदृढ़ता पर विश्वास जताते हुए हुए वरिष्ठ ऑलराउंडर राहुल बाथम ने कहा, +दल के भीतर इस समय सकारात्मकता और ऊर्जा का प्रवाह अपने चरम पर है। हमने एक ऐसी संतुलित टीम का गठन किया है जिसमें विलक्षण प्रतिभा, कड़ा अनुशासन और विजय की तीव्र आकांक्षा साफ परिलक्षित होती है। हमारा ध्येय केवल इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनना नहीं, अपितु मैदान पर अपनी अमिट छाप छोड़ना और उत्कृष्ट क्रिकेट से खेलप्रेमियों का दिल जीतना है।+ उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ जोड़ा, +यह जबलपुर रॉयल लायंस का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा, क्योंकि हम हम शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीत दर्ज करेंगे।+अनुभव और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम मुख्य कोचइस वर्ष जबलपुर की टीम में अनुभवी दिग्गजों और उभरती हुई युवा प्रतिभाओं का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा। टीम के मुख्य कोच आनंद राजन का मानना है कि यही जुगलबंदी टीम की सफलता का मुख्य आधार बनेगी। राजन ने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा, +हमने टीम के भीतर एक ऐसी सुदृढ़ खेल संस्कृति विकसित की है, जहाँ अनुशासन, सूक्ष्म तैयारी और मैदान पर उसका सटीक क्रियान्वयन सर्वोपरि है। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने जो समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अनुकरणीय है। हम एक ऐसे दल के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देगा। हमारा एकमात्र लक्ष्य सकारात्मक क्रिकेट खेलना और अपने प्रशंसकों को गौरव के क्षण उपहार में देना है।+ इतिहास रचने का सामर्थ्य रखती है।

प्रणति नायक को राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल 2026 के लिए साई और टीओपीएस का मिल रहा सहयोग

नई दिल्ली।

भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक को 2026 के राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की तैयारी को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस) के निरंतर सहयोग से बल मिल रहा है। सरकार द्वारा उन्हें और जिमनास्टिक्स टीम को अंतरराष्ट्रीय अनुभव, विदेशी प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, और अन्य निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। टोक्यो 2020 ओलंपियन प्रणति वर्तमान में सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा है, जो 22 मई से 20 जून, 2026 तक भुवनेश्वर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में चल रही है। यह शिविर 25 से 28 जून, 2026 तक चीन के जुनी में आयोजित होने वाली 13वीं सीनियर एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रणति भारतीय सीनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स टीम का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर में आयोजित इस शिविर के लिए कुल 23.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें सीनियर और जूनियर जिमनास्ट, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 21 प्रतिभागी शामिल हैं। अगले महीने चीन में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए, सरकार ने भारतीय सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स दल की भागीदारी हेतु 36.59 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस दल में खिलाड़ी, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 17 सदस्य शामिल हैं। प्रणति को टॉप्स के तहत व्यक्तिगत रूप से भी महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई है। 19 से 25 मई, 2026 तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स विश्व चैलेंज कप में भागीदारी के लिए प्रणति नायक, उनके कोच अशोक कुमार मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता अत्तिली के लिए 5.89 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी। इस प्रतियोगिता में प्रणति ने रजत पदक जीता था।

ललित मोदी का खुलासा, 2005 के बीसीसीआई चुनाव में बोर्ड सदस्यों को होटलों में बंद रखा था

लंदन ।

आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2005 के बीसीसीआई चुनाव में प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने बोर्ड मेंबरों को होटलों में बंद रखा। वहीं दूसरे पक्ष के समर्थक मेंबरों की उड़ानों का ठिकाना ही बदलवा दिया। दोनों पक्ष इन प्रकार से एक दूसरे के समर्थक सदस्यों को बैठक में पहुंचने से ही रोकने के प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे ललित मोदी आज भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हालांकि देश में आईपीएल की शुरुआत का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज बीसीसीआई का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव है उसमें आईपीएल की भूमिका सबसे अहम है। ललित मोदी के अनुसार शरद पवार बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव में जगमोहन डालमिया से सिर्फ एक वोट से हार गए थे। ललित मोदी के लिए ये झटका था क्योंकि पवार को चुनाव लड़ने के लिए राजी करने वालों में वह भी थे। उन्होंने ये यह भी बताया कि कैसे उसके बाद अगले चुनाव में शरद पवार ने जीत हासिल की और उसके बाद के वर्षों में आईपीएल की शुरुआत हुई। ललित मोदी ने कहा, हमने शरद पवार को चुनाव लड़ने के लिए राजी किया। हम चुनाव में गए, हम जीत के प्रति आश्वस्त थे और एक वोट से हार गए। वजह थी हमारे अपने ही लोगों के बीच लड़ाई। पुणे क्रिकेट एसोसिएशन में अजीत शिरके और दयानेश्वर अगाशे की लड़ाई। अगाशे डालमिया गुट से जा मिले।

आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महेंगे

अहमदाबाद ।

आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं।

वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। बेंगलुरु से कुछ उड़ानों का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैवल ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुपए तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

ICC

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी। मैच रेफरी में शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 एडिशन से लौट रही हैं, जबकि न्यूजीलैंड की ट्रूडी एंडरसन भी इस समूह में शामिल है।

वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज बताया

नई दिल्ली।

आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज खोला है। वैभव ने कहा कि अगर वह तेजी से खेलने के प्रयास में शतक के पास पहुंचकर भी आउट भी होते हैं तो उन्हें कोई निराशा नहीं होती। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने कहा, बचपन से, मेरे पापा हमेशा मुझसे कहते आए हैं कि अगर तुम तिहरा शतक भी लगा देते पर टीम नहीं जीतती है तो उसका कोई लाभ नहीं है। ये सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हो सकते हैं पर उनसे टीम को कोई लाभ नहीं होता। क्रिकेट, आखिर में, एक टीम गेम है। इसलिए, अगर मैं शतक की जगह पर 80 रन बनाता हूं और मेरी टीम जीत जाती है, और अगर मेरे सेंचुरी बनाने के बाद भी हम नहीं जीतते, तो वह 80 रन मेरे लिए शतक से अधिक बढ़कर है। वैभव के अनुसार मुझे रोमी भिंडर सर का पहला कॉल आया, जो टीम मैनेजर हैं। मैं दुबई में था, और नीलामी भी वहीं हो रहा था। ट्रायल्स के बाद, मैंने उनसे बात की थी और उन्होंने मुझे बताया था कि वे मुझे लेंगे, और फिर हमने कॉल पर दो से तीन मिनट बात की, जबकि उन्होंने मुझे बधाई दी। अपने डेब्यू मैच में, मैंने पहली गेंद पर छक्का मारा, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल और एक शानदार याद थी। फिर, मैंने उसी सीजन में शतक बनाया, जो मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह मेरा सिर्फ तीसरा मैच था, इसलिए अपने आईपीएल करियर की इतनी अच्छी शुरुआत करके बहुत अच्छा लगा, और मैं अब बस उसी लय को आगे बढ़ा रहा हूं।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

डब्ल्यूएफआई की याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये।

सनराइजर्स टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं देने से बाहर हुई : कोच

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आईपीएल से बाहर होने पर कहा कि टीम ने अबतक बल्लेबाजी पर ही ध्यान दिया है और अपने आक्रामक अंदाज से प्रशंसा पायी है पर इस दौरान टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं दे पायी। जिसका नुकसान उसे उठाना पड़ा है। कोच के अनुसार टीम का बल्लेबाजी पर जरूरत से ज्यादा देना अच्छी बात है पर जीत के लिए गेंदबाजी पर भी जोर देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी गेंदबाज इकाई पर और ज्यादा ध्यान देना होगा। मूडी के अनुसार टीम के एलीमिनेटर मुकाबले में मिली हार से एक बार फिर ये कमजोरी सामने आई है। आईपीएल में टीम अंक तालिका में तीसरी सबसे अच्छी टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। उसके बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन ने 624 रन, ईशान किशन ने 602 रन, अभिषेक शर्मा ने 563 रन और ट्रैविस हेड ने 410 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ही 20 विकेट और साकिब हुसैन ही 15 विकेट विकेट ले पाये। प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें थी पर वे उसके अनुसार सफल नहीं हुए। मूडी के अनुसार टीम के पासा पैट कमिंस के अलावा कोई स्टार गेंदबाज नहीं था। मूडी ने कहा, यह एक तारीफ के काबिल तरीका है पर इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए है। हां, वे अपने को अवसर देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब गेंदबाज की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप गेंदबाज इकाई के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत गेंदबाज ईकाई बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते है, जो स्कोर का बचाव कर सके। उन्होंने कहा, यह सब कुछ संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इसमें सफल रही है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीद से की

भारतीय प्रशंसक भड़के

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ भी आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गये है। वैभव ने जिस प्रकार आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाजी की है उसकी तारीफ करते हुए यूसुफ ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी देखकर उन्हें पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के शुरुआती दिनों की याद आती है। उन्होंने वैभव को अफरीदी की तरह बेखौफ, आक्रामक और ऊर्जा से भरपूर बताते हुए क्रिकेट का भविष्य कहा है। । वहीं मोहम्मद यूसुफ की इस तुलना से भारतीय क्रिकेट प्रशंसक भड़क गये।

आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियशिप 2027 में तीन टीमों के साथ उतरेगा भारत

कुआलालंपुर।

भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एएफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था। भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है। पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी। क्वालिफिकेशन चरण के ग्रुप ए में, 12 बार के चैंपियन कोरिया गणराज्य का मुकाबला मेजबान किर्गिज गणराज्य, फिलीपींस और लेबनान से होगा। वहीं ग्रुप बी में मेजबान उज्बेकिस्तान के सामने सीरिया, भारत और बांग्लादेश की टीमें होंगी।

हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढ़ी है। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान है। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज है और ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार : बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुए एक भारतीय नागरिक को कथित तौर पर बेसबॉल बैट से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। धवल अमरतभाई पटेल को सबसे पहले 16 मई को मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर पुलिस विभाग ने गिरफ्तार किया था। उस पर खतरनाक हथियार से हमला और मारपीट करने का आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद ने 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। कार्यवाहक सहायक सचिव लॉरेन बिस ने कहा कि पटेल जैसा यह अवैध व्यक्ति सोचता था कि वह बेसबॉल बैट से लोगों पर हमला कर सकता है। सैंक्चुअरी नेताओं ने उसे गिरफ्तार होने के बाद भी रिहा कर दिया।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सीजफायर के बीच ईरान पर दूसरा हमला, रक्षात्मक अमेरिकी कार्रवाई के बीच ट्रंप ने डील के दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ इस सप्ताह अपना दूसरा रक्षात्मक हमला किया। अधिकारियों ने ईरानी सेना की आक्रामक गतिविधि देखी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने चार ईरानी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने एक ऐसे अड्डे पर भी हमला किया जो पांचवां ड्रोन लॉन्च करने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान 'कमजोर स्थिति में बातचीत कर रहा है'। उन्होंने जोर दिया कि नवंबर में होने वाले मध्यवर्ती चुनाव उन्हें जल्दबाजी में समझौता करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। यह संघर्ष लगभग तीन महीने पुराना है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अशांति फैली है। मंत्रिमंडल की बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि एक समझौता करीब है। उन्होंने सप्ताहांत में कहा था कि उनके प्रशासन और तेहरान ने 'बड़े पैमाने पर बातचीत' की है। हालांकि, बातचीत अभी भी अनिश्चित स्थिति में है। अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की तलाश में है। इससे ईरान की परमाणु क्षमता कम होने का विश्वसनीय तर्क मिलेगा। यह रिपब्लिकन के लिए राजनीतिक रूप से असंतोषजनक संघर्ष को समाप्त करेगा। पेंटागन ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च स्थलों और माइन बिछाने वाली नौकाओं पर 'रक्षात्मक' हमले किए थे। अमेरिका ने कहा कि उसने युद्धविराम के बावजूद 'संयम' से काम लिया। ईरान ने इस कार्रवाई को 'बदनीयती और अविश्वसनीयता' का संकेत बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते से कई महत्वपूर्ण मुद्दे बाद के लिए टल जाएंगे। इससे रिपब्लिकन राष्ट्रपति को पहले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके कुछ समर्थकों ने भी आलोचना की है। उनका मानना है कि ईरान के कट्टरपंथी नेता संघर्ष से कमजोर होकर भी मजबूत होकर उभरेंगे। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अभी भी काम बाकी है। उन्होंने निश्चितता के साथ कहा कि दोनों पक्ष वहां पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 'वे बहुत समझौता करना चाहते हैं।

महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा? अदृश्य दबाव पर इस अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है।

आखिर महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा : अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है।

क्या अपराधबोध महिलाओं की परेशानी बढ़ा रहा : अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा।

मानसिक दबाव किन-किन रूपों में सामने आता : अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं। यही लगातार चलने वाली मानसिक प्रक्रिया उन्हें भावनात्मक रूप से थका देती है।

क्या बराबरी से बदल सकती है स्थिति : विशेषज्ञों का कहना है कि जब महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और फैसले लेने का अधिकार मिलता है, तब घरों में जिम्मेदारियों का बंटवारा बेहतर होता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और महिलाओं का मानसिक तनाव कम होता है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि परिवारों को अब घर के अदृश्य मानसिक श्रम को समझना होगा। केवल खाना बनाना या सफाई करना ही काम नहीं है, बल्कि परिवार की हर छोटी-बड़ी चिंता को लगातार संभालना भी बड़ा मानसिक श्रम है। अगर घरों में जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं तो महिलाओं की मानसिक स्थिति बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे बाहर नौकरी भी कर रही हैं और घर की मानसिक जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। यही कारण है कि तनाव, चिंता और मानसिक थकावट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि समाज को अब महिलाओं के इस अदृश्य मानसिक श्रम को गंभीरता से समझना होगा। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका असर परिवार, रिश्तों और समाज की मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका में नहीं इस देश में रहेंगे संक्रमित अमेरिकी, इबोला के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की नई योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब विदेशों में इबोला वायरस के संपर्क में आने वाले अमेरिकी नागरिकों को इलाज के लिए सीधे अमेरिका लाने के बजाय केन्या भेजने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, केन्या में एक नया क्वारंटीन और उपचार केंद्र बनाया जाएगा, जहां इबोला संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा।

तीन विभागों की मदद से तैयार किया गया केंद्र : यह केंद्र अमेरिकी रक्षा विभाग, विदेश विभाग और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की साझेदारी से तैयार किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कांगो जैसे देशों में इबोला से संक्रमित लोगों को लंबी मेडिकल उड़ानों के जरिए अमेरिका लाने की जरूरत न पड़े और उन्हें जल्द इलाज मिल सके। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केंद्र केन्या में कहां बनेगा और क्या केन्या सरकार ने इसे मंजूरी दी है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्री एडन डुएले ने पुष्टि की कि अमेरिका और केन्या के बीच इबोला से निपटने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि अमेरिकी मरीजों के लिए विशेष उपचार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग केन्या के कानूनों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही होगा। विशेषज्ञों का

इबोला संकट पर ट्रंप प्रशासन सख्त

मानना है कि इबोला मरीजों को कम से कम यात्रा करानी चाहिए क्योंकि इससे उनकी हालत बिगड़ सकती है। लेकिन कुछ अमेरिकी डॉक्टरों ने चिंता जताई है कि केन्या में बनने वाला केंद्र अमेरिका जैसी उन्नत सुविधाएं नहीं दे पाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी मानी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। वहां करीब 1000 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं और 220 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका जताई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पहले भी इबोला संक्रमित अमेरिकियों को अमेरिका लाने का विरोध कर चुके हैं। 2014 में उन्होंने कहा था कि संक्रमित लोगों का इलाज 'यहीं' किया जाना चाहिए। अब उनकी सरकार इसी तरह की योजना पर काम कर रही है। इस बीच अमेरिका ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच भी बढ़ा दी है। कई बड़े अमेरिकी एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन लोगों ने पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उनके अमेरिका प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

बांग्लादेश में गहरा संकट: शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। अवामी लीग की चिंताएं पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

भारत में एआई-दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा; नवंबर में दिल्ली आएगा दल

टोरंटो, एजेंसी। एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह एलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष मैक्स कोयुने, फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमि. के अध्यक्ष-सीईओ प्रेम वात्सा, समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। इस दौरान उन्होंने वित्तीय सेवाओं, अवसंरचना, सतत कृषि, बैंक-बीमा और दुर्लभ खनिज

प्रसंस्करण में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने कहा, भारत में प्रस्तावित मिशन का लक्ष्य कनाडा की कंपनियों को भारत ले जाकर एआई, दुर्लभ खनिज, परमाणु व नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशना है।

भारत-कनाडा व्यापार गलियारे की मजबूती पर चर्चा : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर टोरंटो में कनाडा-इंडिया बिल्डिंग ब्रिजेस कार्यक्रम में गोयल ने मुख्य भाषण दिया। इसमें उन्नत विनिर्माण, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा तथा तेल-गैस से जुड़े 150 से अधिक व्यावसायिक प्रतिनिधियों, निवेशक समूहों और उद्योग संगठनों ने भाग लिया। ब्रैम्पटन के पियर्सन कन्वेंशन सेंटर में पीयूष गोयल ने भारत-कनाडा व्यापार गलियारे को मजबूत करने पर चर्चा की।

आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण पर फोकस: कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय बाजार में कनाडाई कंपनियों के दीर्घकालिक संचालन का मूल्यांकन किया और उभरते औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में गहन भागीदारी को आमंत्रित किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, सतत कृषि और नवाचार में सहयोग को गहरा करने पर भी अपनी बात रखी। कनिष्क स्मारक में दी श्रद्धांजलि पीयूष गोयल ने कहा, भारतीय प्रवासी समुदाय न केवल भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में, बल्कि मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कनाडा में भारतीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हंबर बे पार्क स्थित कनिष्क स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की और एयर इंडिया एआई 182 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कनाडा में तिरंगे का अपमान: खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त : घटना उस समय हुई जब भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

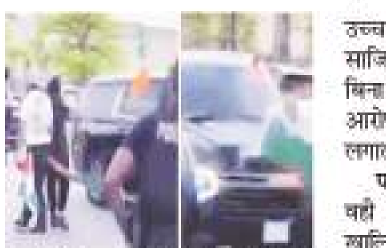

पन्नू का करीबी है गोसल : यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने बाद में कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद, युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या है ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध : ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर : लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, गेमर, छोटे कारोबारी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग आर्थिक संकट में पहुंच गए। कई लोगों को अपना सामान बेचना पड़ा या दूसरे काम तलाशने पड़े। इंटरनेट बंद होने से परिवारों का संपर्क भी टूट गया। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से महीनों तक बात नहीं हो सकी। सरकार की पाबंदियों के दौरान वीपीएन की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई थीं, जिससे आम लोग खुले इंटरनेट तक पहुंच नहीं बना सके। ईरानी सरकार ने इंटरनेट बंदी और मीडिया नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर सही ठहराया। अधिकारियों का कहना था कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद सैन्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। हालांकि आलोचकों का आरोप है।

गाजा में इस्राइल का बड़ा हमला, हमास के दो बड़े कमांडर ढेर; नए सैन्य प्रमुख को भी मार गिराने का दावा

गाजा पट्टी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए दो वरिष्ठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में किए गए हवाई हमलों में हमास के बड़े ऑपरेटिव निशाने पर थे। वहीं दूसरी ओर गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने एक बार फिर पूरे इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है।

क्या हमास के नए सैन्य प्रमुख को मार गिराने का दावा किया गया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के अनुसार ओदेह सात अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश रचने वालों में शामिल था। इस्राइल का कहना है कि वह हमास के खुफिया नेटवर्क का प्रमुख भी रह चुका था और हाल ही में उसे संगठन की सैन्य कमान सौंपी गई थी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमले में शामिल हर व्यक्ति को खत्म किया जाएगा। इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

गाजा में आम लोगों पर हमलों से क्या हालात बने : जहां इस्राइल हमास पर बड़े हमलों का दावा कर रहा है, वहीं गाजा में आम लोगों की मौतों की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के मुताबिक, मध्य गाजा शहर में एक रिहायशी मकान पर हुए हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के कई इलाकों में लगातार बमबारी के कारण लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पतालों पर दबाव

गाजा में फिर बरसी मिसाइलें

बढ़ता जा रहा है और राहत सामग्री की कमी भी गंभीर चिंता बन चुकी है।

क्या लेबनान में भी बढ़ा इस्राइली हमला : आईडीएफ ने यह भी दावा किया है कि उसने पूरे दिन लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इस्राइल के अनुसार हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे, कमांड सेंटर और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि सिर्फ इस सप्ताह के दौरान हिजबुल्लाह के 550 ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लेबनान सीमा पर लगातार बढ़ रही सैन्य गतिविधियों ने पूरे पश्चिम एशिया में नए संघर्ष का खतरा और बढ़ा दिया है। हिजबुल्लाह भी लगातार इस्राइल पर जवाबी हमले करने का दावा कर रहा है।

सात अक्तूबर के हमले को लेकर क्यों सख्त है इस्राइल : इस्राइल अब भी सात अक्टूबर 2023 के हमले को अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती मान रहा है। हमास के उस हमले में बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई थी। इसके बाद से इस्राइल लगातार गाजा में सैन्य कार्रवाई चला रहा है। इस्राइल का कहना है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर फलस्तीन में लगातार बढ़ती तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराती जा रही है। गाजा और लेबनान में तेज हुए हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच पहले से जारी तनाव के बीच यह संघर्ष अब और बड़े क्षेत्रीय संकट में बदलता दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल आपूर्ति और सुरक्षा को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

जामताड़ा में जिला कबड्डी एसोसिएशन का हुआ गठन, जीतू सिंह बने जिला अध्यक्ष

झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन के निर्देश पर हुई बैठक, युवाओं को बेहतर मंच देने का लिया संकल्प

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।
झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन रांची के निदेर्शानुसार शुक्रवार को जामताड़ा कबड्डी एसोसिएशन का गठन को लेकर एक बैठक किया गया। जिसका संचालन दीपक दुबे ने किया। इस अवसर पर झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष तपन कुमार राउत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वही जीतू सिंह,राहुल सिंह, दीपक दुबे सहित अन्य ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जीतू सिंह को जामताड़ा कबड्डी एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष चुना गया, जबकि राहुल सिंह को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर उत्तम पांडेय और सुधीर मुर्मू का चयन किया गया। संयुक्त सचिव के रूप में संतोष कुमार, अजय पांडेय, कृष्ण कमल दास, अभिषेक तिवारी और कुंदन राय को चुना गया। इसके अलावे

सुकुमार मंडल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वही सदस्य के रूप में विक्रम मंडल, गौरांग सिंह, अमन चौधरी, अंशु सिंह, राहुल यादव और क्रिश सरकार को शामिल किया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नवगठित टीम को बधाई देते हुए जिले में कबड्डी खेल को नई दिशा देने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष जीतू सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि एसोसिएशन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि जामताड़ा जिले के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ सही मंच और अवसर देने की है।उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में जिले में कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आगे लाने का प्रयास किया जाएगा।साथ ही खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए हर संभव पहल की जाएगी। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जिले में कबड्डी खेल के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

माध्यमिक शिक्षा विभाग में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रही : गुलाब देवी

अयोध्या।
उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी गुरुवार को विभागीय समीक्षा बैठक के लिए अयोध्या पहुंचीं। सर्किट हाउस में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने शिक्षा मंत्री का स्वागत किया।
मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रही। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में करीब 54 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।
मंत्री के अनुसार, पूरे प्रदेश में कहीं भी पेपर लीक या नकल की कोई घटना सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं टेंशन मुक्त और नकल विहीन तरीके से संपन्न कराई गईं।
नीट परीक्षा पेपर लीक के सवाल पर उन्होंने सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन माध्यमिक शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं का बचाव किया। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रदेश में मजबूत लहर चल रही है और भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत है।
महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि विपक्ष केवल शोर मचाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, जबकि जनता अब परिस्थितियों को समझ चुकी है।

खूनी हाईवे आंदोलन को मिला सत्ता और विपक्ष का साथ

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में खूनी हाईवे में डिवाइडर बनवाने तथा प्रशासन द्वारा आंदोलनकारियों पर की गई कार्रवाई को वापस लेने की मांग गुरुवार को जोर पकड़ ली। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष आंदोलन को जायज बताकर आंदोलनकारियों का समर्थन करने लगे हैं।
गुरुवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री कुंवर बादशाह सिंह ने सुमेरपुर कस्बे के अभय प्रताप सिंह उर्फ अभ्भू सिंह से भेंट करके आंदोलन की जानकारी हासिल की और आश्वसत किया कि वह केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से भेट करके खूनी हाईवे की हकीकत को बताकर डिवाइडर बनवाने की मांग करेंगे। इस मौके पर आंदोलनकारी अभ्भू सिंह ने पूर्व मंत्री को नेशनल हाईवे की चौडीकरण एवं डिवाइडर बनाने की मांग की। इस मौके पर सपा नेता नंदकिशोर शिवहरे, कुलदीप शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अयोध्या के भाजपा नेता की लखनऊ में हत्या

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेता को अज्ञात तीन लोगों ने बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। वहीं, भाजपा नेता के साथ मौजूद दोस्त फरार हो गये। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घरवालों ने दोस्तों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।
थाना प्रभारी विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि शिवम सिंह 25 मई को अपने दोस्त नीलेश, जिशान और एक अन्य के साथ पार्टी करने लखनऊ आए थे। देर रात को शिवम क्लब से बाहर निकले तो बाइक सवार तीन युवकों ने उनसे सिगरेट मांगी, जब शिवम ने देने से मना कर दिया तो उन लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों के हस्ताक्षेप के बाद मामला शांत हो गया। इसके बाद शिवम अपनी कार से घर जाने लगे तो कठौता झील के पास दोबारा आये बाइक सवार बदमाशों ने उन पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।
कार रोककर शिवम जब उतरे तो युवकों ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया इसी बीच शिवम के दोस्त फरार हो गये। गंभीर रूप से घायल शिवम को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शिवम के भाई सौरभ ने आरोप लगाया कि 26 मई को जानकारी मिली कि भाई अस्पताल में भर्ती है। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचित किया। उनका आरोप है कि भाई की हत्या की साजिश में उनके दोस्त भी शामिल है। फिलहाल पुलिस ने परिवार से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अखिलेश यादव पर बृजेश पाठक का पलटवार, कहा जो झूठ के सौदागर होंगे उन्हें संवाद बुरा लगेगा

लखनऊ।
भारतीय जनता पार्टी के नेता व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार किया है। बृजेश पाठक ने मंत्री नरेंद्र कश्यप से संवाद करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखास्वास्थ्य मंत्री के रूप में साबित हो गये बेकार, अब वो बन गये पत्रकारङ्क क्योंकि समय बिताने के लिए करना है कुछ काम; सरकार, संगठन, दल में तो पहले ही हुए नाकाम।इसके जवाब में बृजेश पाठक ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा जो युवराज होंगे, उन्हें मेहनतकश बुरे लगेंगे। जो झूठ के सौदागर होंगे, उन्हें संवाद बुरा लगेगा।समझ से परे है कि कुछ लोग संवाद और सच्चाई से इतना डरते क्यों हैं ?एक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में यथासंभव लोकस्वास्थ्य को बेहतर कर रहा हूँ और एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में संवाद चलाकर अपने लोककर्त्तव्य को निभा रहा हूँ ' उन्हें मिर्ची लगे तो मैं क्या करूँ.... उप मुख्यमंत्री ने एकात्म मानववाद, अंत्योदय के प्रणेता स्व० पंडित दीनदयाल उपाध्याय , तत्कालीन जनसंघ अध्यक्ष स्व० पीतांबर दास , भारत रत्न, शिक्षाविद, राष्ट्र ऋषि स्व० नानाजी देशमुख एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, महान विचारक स्व० डॉ० राममनोहर लोहिया का संवाद करते हुए ऐतिहासिक पल" के फोटो को भी सोशल मीडिया पर डाला है।आगे बृजेश पाठक ने लिखा पत्रकार होना गर्व की बात है ' मैं तो लघु व्यक्ति और साधारण सामाजिक - राजनीतिक कार्यकर्ता हूं लेकिन हमारा गौरवशाली इतिहास साक्षी है कि जितने महान जननेता हुए हैं, लगभग सभी पत्रकार रहे हैं ' पंडित दीनदयाल जी मासिक पत्रिका राष्ट्रधर्म निकालते थे ' लोहियाजी हिंदी मासिक पत्रिका जन और अंग्रेजी मासिक पत्रिका मैनकाइंड के संपादक थे। संवाद और साक्षात्कार करना हमारी सनातन परम्परा है, वादे वादे जायते तत्वबोध। लोकनायक जयप्रकाश ने कहा था कि तानाशाह ही संवाद के विरोधी होते हैं। हमारे पत्रकार भाई और बहन हमारे समाज के कर्मयोगी हैं। उन्हें खलिहर बताना सभी पत्रकारों और मेहनतकशों का अपमान है। एक सार्थक साक्षात्कार में कितनी मेधा और मेहनत लगती है, ये हमारे पत्रकार साथियों से पूछिए।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर 31 मई को राष्ट्रवादी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

सौरभ राय/रफ्तार मीडिया
रांची:केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजधानी रांची के बिरला मैदान में भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह के नेतृत्व में भव्य राष्ट्रवादी सांस्कृतिक संध्या नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आगामी 31 मई को रांची के बिरला मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकताओं एवं पीएम नरेंद्र मोदी के समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

केंद्र सरकार के उपलब्धियों की दी जाएगी जानकारी

राष्ट्रवादी सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह के नेतृत्व में किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना है।रमेश सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान

एलईडी स्क्रीन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों, जनहित योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के कारण 12 वर्षों में देश की तस्वीर बदली

रमेश सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई जा रही केंद्र सरकार के कार्यों को लेकर कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, गरीब कल्याण एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल किया है।
उन्होंने बताया कि यह आयोजन केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को समर्पित एक विशेष संध्या होगी। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

आयोध्या के प्रसिद्ध भजन गायक धर्मेंद्र पांडे देंगे प्रस्तुति

रमेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर अयोध्या से प्रसिद्ध भजन गायक धर्मेंद्र पांडे मुख्य आकर्षण के रूप में अपनी प्रस्तुति देंगे। उनके द्वारा प्रस्तुत भजनों एवं राष्ट्रभक्ति गीतों से कार्यक्रम का माहौल भक्तिमय और देशभक्ति से ओतप्रोत रहेगा।कार्यक्रम के दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं महिला कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोरो शोरों से की जा रही हैं। बिरला मैदान में मंच, प्रकाश, ध्वनि एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

अस्पताल का नाम बदलने पर चंपई सोरेन सख्त, दी 30 जून तक सुधारने की चेतावनी

कुमार विक्रम,रफ़्तार मीडिया
दुमका–फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज का नाम बदलकर 'गवर्नमेंट हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज' करने का निर्णय राज्य की राजनीति में नया विवाद बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंपई सोरेन ने इसे आदिवासी महापुरुषों के अपमान और उनके गौरवशाली इतिहास को मिटाने की गहरी साजिश करार दिया है।दुमका प्रवास के दौरान स्थानीय मांझी बाबाओं, युवाओं और रैयतों के साथ अस्पताल परिसर पहुंचे चंपई सोरेन ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने वर्तमान सरकार को 'तथाकथित अबुआ सरकार' बताते हुए कहा कि यह सरकार न केवल सामाजिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है, बल्कि आदिवासी अस्मिता के प्रतीकों को भी मिटा रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि किसी संस्थान का नाम महापुरुषों के सम्मान में रखा जाता है, लेकिन बिना किसी सूचना के इसे हटाना सरकार की कुत्सित मंशा को दशार्ता है।चंपई सोरेन ने सरकार को सीधी चुनौती देते हुए अल्टीमेटम दिया है कि यदि 30 जून तक अस्पताल के नाम में 'फूलो-झानो मुर्मू' का नाम पुनः नहीं जोड़ा गया, तो आदिवासी समाज चुप नहीं बैठेगा।
उन्होंने कहा कि समय सीमा खत्म होने के बाद आदिवासी समाज खुद इस नाम को सुधारने का साहस दिखाएगा, जिसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा।इसके अतिरिक्त, चंपई सोरेन ने केंद्र सरकार की नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनजाति सांस्कृतिक समागम में केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा दी गई यह जानकारी कि समान नागरिक संहिता से आदिवासी समाज को बाहर रखा गया है, हमारे समाज के संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार आदिवासियों की रूढ़िजन्य परंपराओं और विशिष्ट जीवनशैली को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि राज्य सरकार केवल उन्हें अपमानित करने का काम कर रही है।

बुंडू पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों के फरार आरोपियों को किया गिरफ्तार

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता
बुंडू पुलिस ने वाहन चोरी गिरोह और आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इसकी जानकारी थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो ने दी।पहला मामला बुंडू थाना कांड संख्या 18/26 का है। थाना प्रभारी के अनुसार 25 फरवरी 2026 को पुलिस ने मोटरसाइकिल एवं ट्रैक्टर चोरी कर फर्जी नंबर प्लेट और चेसिस नंबर बदलकर खरीद-बिक्री करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस दौरान तीन

अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक आरोपी फरार हो गया था। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने नौ मोटरसाइकिल एवं एक ट्रैक्टर बरामद किया था। मामले में फरार आरोपी लाल सिंह महली, निवासी मानकीडीह, थाना तमाड़ को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया।वहीं दूसरा मामला बुंडू थाना कांड संख्या 41/25 से जुड़ा है। 8 मार्च 2025 को बिरोली कुमारी (19) की जहरीला पदार्थ खाकर मौत हो गई थी। मृतका के पिता ने युवती के प्रेमी पर शादी से इंकार और मानसिक प्रताड़ना देकर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में फरार आरोपी दीपक मुंडा, निवासी तिरिलडीह, थाना बुंडू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शिक्षा में मार्गदर्शन और परामर्श विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता माण्डर। माण्डर के कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बहुउद्देशीय सभागार में शुक्रवार को बी.एड. सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के छात्र-छात्राओं के लिए ह्लशिक्षा में मार्गदर्शन और परामर्शह्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य भावी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शन एवं परामर्श की आवश्यकता, महत्व और व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था।
कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर, संस्थान के

डीएसडब्ल्यू उपेंद्र उपाध्याय, मुख्य रिसोर्स पर्सन डॉ. अपर्णा कुमारी मिश्रा एवं सभी फैकल्टी मेंबर्स द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।
प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने अपने संबोधन में कहा कि सही समय पर मिला सही मार्गदर्शन और परामर्श किसी भी विद्यार्थी का जीवन बदल सकता है। उन्होंने कहा कि मार्गदर्शन छात्रों को उनके करियर एवं जीवन के सही रास्ते चुनने में मदद करता है, जबकि परामर्श उनके व्यक्तिगत और भावनात्मक अंतर्द्वंद्वों को सुलझाने में सहायक होता है।
डीएसडब्ल्यू उपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि एक उत्कृष्ट शिक्षक वही होता है, जो छात्र के दिमाग के साथ-साथ उसके दिल को भी समझे। उन्होंने भावी शिक्षकों से बच्चों का केवल शिक्षक नहीं बल्कि सच्चा मार्गदर्शक बनने का आह्वान किया।
मुख्य रिसोर्स पर्सन डॉ. अपर्णा कुमारी मिश्रा ने अपने विस्तृत व्याख्यान में मार्गदर्शन और परामर्श के तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी जीवनशैली में विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षक की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से भी सक्षम होना होगा ताकि वे छात्रों के व्यवहार, तनाव और मानसिक समस्याओं को समझ सकें।
उन्होंने कहा कि विद्यालयों में कई ऐसे बच्चे मिलते हैं जो पारिवारिक या मानसिक समस्याओं के कारण पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में यदि शिक्षक कुशल परामर्शदाता की भूमिका निभाएं तो वे छात्रों के शैक्षणिक स्तर के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने आधुनिक शिक्षा में सहानुभूति और सक्रियता से सुनने की क्षमता को प्रत्येक शिक्षक के लिए अनिवार्य बताया। कार्यशाला के अंतिम चरण में आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता ने मुख्य रिसोर्स पर्सन, प्राचार्या एवं महाविद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज भविष्य में भी विद्यार्थियों के पेशेवर विकास के लिए इस प्रकार की ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।
इस अवसर पर सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के सभी छात्र-छात्राओं ने अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी व्याख्यातागण एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी सेविका चयन प्रक्रिया पर अनियमितता के गंभीर आरोप, ग्रामीणों ने की रद्द करने की मांग

कुमार विक्रम, रफ्तार मीडिया
दुमका जिले के मसलिया प्रखंड अंतर्गत गोलबंधा पंचायत के हथियापाथर आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका चयन की प्रक्रिया विवादों के घेरे में आ गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने चयन प्रक्रिया में भारी अनियमितता और नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए इसे तत्काल रद्द करने की मांग की है।मामला 23 मई को आयोजित आम सभा से जुड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि चयन प्रक्रिया को गुप्त रखा गया और पोषक क्षेत्र के सभी टोलों को इसकी विधिवत सूचना नहीं दी गई। आक्रोशित ग्रामीणों के अनुसार, इस केंद्र के पोषक क्षेत्र में कुल छह टोले शामिल हैं, जिनमें से चार को ही आम सभा की जानकारी दी गई, जबकि दो टोले पूरी तरह वंचित रह गए।बढ़ई टोला के निवासी सोमा देवी, बेबी देवी, सावित्री देवी, दामोदर मिस्त्री, भीम मिस्त्री सहित दर्जनों ग्रामीणों ने इस बाबत प्रभारी सीडीपीओ सह अंचलाधिकारी रंजन कुमार यादव को लिखित शिकायत सौंपी है। ग्रामीणों का तर्क है कि आम सभा की सूचना का व्यापक प्रचार-प्रसार न करना और कुछ टोलों को जानबूझकर अंधेरे में रखना सरकारी नियमों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने प्रशासन से पारदर्शी तरीके से दोबारा आम सभा आयोजित कर निष्पक्ष चयन की मांग की है।
इस विवादित चयन प्रक्रिया पर पूछे जाने पर महिला पर्यवेक्षिका लात किरण किस्कू ने बताया कि आम सभा के दौरान पोषक क्षेत्र से काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। उन्होंने आरोपों को संज्ञान में लेते हुए मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

रानीघाघर आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका पद के लिए आम सभा आज, चयन प्रक्रिया को लेकर उत्साह

दुमका जिला के मसलिया प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रानीघाघर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में रिक्त सेविका के पद पर नियुक्ति के लिए शनिवार, 30 मई को महत्वपूर्ण आम सभा का आयोजन किया जाएगा। बाल विकास परियोजना कार्यालय द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, चयन प्रक्रिया केंद्र परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू होगी।
प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सेविका पद के लिए यह चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी रखते हुए ग्राम सभा के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। इस चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्रता की मुख्य शर्त यह है कि अभ्यर्थी का उसी पोषक क्षेत्र का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। इसके बिना कोई भी दावेदार प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेगा।शैक्षणिक योग्यता के संदर्भ में, अभ्यर्थी का कम से कम बारहवीं (12वीं) कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया के दौरान यदि एक से अधिक अभ्यर्थियों की योग्यता समान पाई जाती है, तो सरकारी नियमों के तहत विधवा, परित्यक्ता और दिव्यांग श्रेणी की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।
बाल विकास परियोजना कार्यालय ने क्षेत्र की योग्य महिला अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर केंद्र परिसर में पहुंचने की अपील की है ताकि पूरी चयन प्रक्रिया को नियमानुसार संपन्न कराया जा सके। ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में होने वाली इस आम सभा पर सबकी नजरें टिकी हैं। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि इस बार चयन पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होगा, जिससे योग्य उम्मीदवार का चुनाव सुनिश्चित हो सके। प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के लिए भी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं ताकि प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की जा सके।

वेटिंग से परेशान यात्रियों को मिलेगी राहत, 30 मई से उड़ीसा के खोरदा रोड के लिए गोमतीनगर से चलेगी स्पेशल ट्रेन

झुमरी तिलैया – यात्रीगण कृपया ध्यान दें ..... कोडरमा जक्शन के रास्ते उड़ीसा के खोरदा रोड के लिए 30 मई से 20 जून तक सप्ताह में 1 दिन स्पेशल ट्रेन चलाएगा। इस ट्रेन के संचालन से नीलांचल एक्सप्रेस की लंबी वेटिंग लिस्ट से परेशान यात्रियों को राहत मिलेगी।
05064 गोमती नगर-खोरधा रोड स्पेशल 28 मई से 18 जून तक प्रत्येक गुरुवार को गोमती नगर से शाम 6: 55 बजे चलेगी। यह ट्रेन अगले दिन रात 2:25 बजे खोरदा रोड पहुंचेगी।
ट्रेन का ठहराव गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, मऊ, औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, डेहरी आनसोन, गया , कोडरमा, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंक्शन गोमो, भोजूडीह, आद्रा , बांकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर , हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्दुझर रोड, नराज माथार्पुर, भुवनेश्वर स्टेशनों पर होगा। वापसी में 05063 स्पेशल खोरधा रोड से 30 मई से 20 जून तक प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12:45 बजे चलेगी। यह ट्रेन अगले दिन गोमती नगर रात 8 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में जनरल श्रेणी की 4 स्लीपर की 6, एसी सेकेंड की 2 , एसी थर्ड की 5 और एसी प्रथम की 1 बोगी होगी।

आसनसोल-गया मेमू आज से तीन दिन चलेगी होगी लेट

झुमरी तिलैया – धनबाद-हावड़ा रेल मार्ग पर प्रधानखंता से सीतारामपुर के बीच ट्रैक रखरखाव के कारण आसनसोल-गया मेमू अलग-अलग दिनों में विलंब से चलेगी। इस वजह से कोडरमा ट्रेन विलंब से आयेगी। पूर्व रेलवे से जारी सूचना में बताया गया कि 30 मई व दो जून को दिन में 11:30 से दोपहर तीन बजे तक ट्रैफिक ब्लाक लिया जाएगा। इस कारण 13545 आसनसोल-गया मेमू दोनों तिथियों में 40 मिनट विलंब से खुलेगी। आसनसोल से दोपहर 1:45 के बदले 2:25 पर रवाना होगी। विलंब से खुलने से धनबाद आगमन देर से होगा। गया भी लेट से पहुंचेगी।

गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में एक दिवसीय कार्यशाला में सिद्धकोफेड की योजनाओं और विशेषताओं पर हुई विस्तृत चर्चा

:गिरिडीह/झारखंड
रफ्तार मीडिया: मनोज बर्मन की रिपोर्ट

गिरिडीह: सिद्धो कन्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड की ओर से गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित प्रखंड सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों, महिला समूहों, वन उत्पाद संग्राहकों एवं ग्रामीण उत्पादकों को सहकारिता आधारित विकास मॉडल से जोड़ना तथा सिद्धकोफेड की योजनाओं, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं की जानकारी देना था।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सिद्धकोफेड लगातार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है। संस्था का लक्ष्य किसानों और वन उत्पाद से जुड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाना, उनके उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराना तथा उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना है।

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों ने बताया कि सिद्धकोफेड के माध्यम से किसानों को जैविक खेती, बीज

वितरण, कृषि प्रशिक्षण, विपणन सुविधा तथा वन उत्पादों के संग्रहण एवं प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में भी विशेष पहल की जा रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसीओ अश्वनी ओझा, जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमल जी, अंचला अधिकारी नरेश वर्मा, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी मदन मोहन नें ह्लसिद्धकोफेड के बढ़ते कदमह्व विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता आंदोलन को मजबूत कर रही है। संस्था के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, बिचौलियों की भूमिका कम करने तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस दौरान कार्यशाला में शामिल किसानों और ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। किसानों ने कृषि ऋण, सिंचाई, बीज और बाजार व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि आने वाले समय में गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सहकारिता से जुड़ने, आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और वन उत्पादों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

बदहाली पर आंसू बहा रहा चार सौ वर्ष पुराना रेम्बा मठ

गिरिडीह/झारखंड
रफ्तार संवाददाता

गिरिडीह: कभी श्रद्धा, आध्यात्म और समृद्धि का प्रतीक रहा रेम्बा मठ आज अपनी बदहाली पर मातम मना रहा है। लगभग चार सौ वर्षों का गौरवशाली इतिहास समेटे यह मठ कभी जिले के 14 मठों का गद्दी (मुख्य केंद्र) माना जाता था। यहां के महंत केवल धर्मगुरु ही नहीं बल्कि स्थानीय रियासत के ताल्लुकदार के रूप में भी प्रतिष्ठित थे।

रेम्बा मठ का प्रभाव क्षेत्र जमुआ प्रखंड के सलैया, चुंगलो, रेम्बा, पतारडीह, मल्हों, नैरो समेत धनवार के खिजरसोता, मंगासो, चंदननगर तथा डुमरी के डंडाटांड़ तक फैला हुआ था। दूर-दूर से लोग मठ में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते थे।

बताया जाता है कि वर्ष 1994 में तत्कालीन बिहार सरकार के धार्मिक न्यास परिषद ने मठ की संपत्तियों को अधिग्रहित कर लिया था। इसके बाद धीरे-धीरे मठ की व्यवस्था कमजोर पड़ती चली गई। आरोप है कि कुछ महंतों की लापरवाही और ऐय्याशी के कारण मठ की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। वहीं कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर मठ की जमीनों पर कब्जा जमा लिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 2012 के बाद मठ की संपत्ति को सबसे ज्यादा क्षति पहुंची। वर्तमान में भी मठ के पास करीब 20 एकड़ जमीन, आठ तालाब, बड़ा आंगन, मार्केट और कई भवन मौजूद हैं, लेकिन रखरखाव के अभाव में सब जर्जर होते जा रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन सीओ द्वारा करीब आठ एकड़ जमीन का अवैध तरीके से पर्चा बांट दिया गया, जिसके बाद मठ की उपजाऊ जमीन पर कब्जा शुरू हो गया। जिन मोहल्लों में तालाब स्थित हैं, वहां के लोगों ने तालाबों पर अपना अधिकार जमा लिया। पहले जो किसान मठ को धान देते थे, अब वे जमीन का फर्जी कागजात दिखाकर खुद को मालिक बता रहे हैं।

इतना ही नहीं, मठ के पुराने भवनों को तोड़कर लोग अपने मकान बना रहे हैं। मार्केट की दुकानों का किराया भी मठ को नहीं मिल रहा। पुराने किरायेदार खुद दूसरे लोगों को दुकान किराए पर देकर राशि वसूल रहे हैं।

ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों का कहना है कि रेम्बा मठ की शेष चल-अचल संपत्तियों को बचाने के लिए एक मजबूत मठ प्रबंधन समिति का गठन जरूरी है। साथ ही सरकारी स्तर पर जांच कर अतिक्रमित जमीन, तालाब और भवनों को मुक्त कराने की मांग उठने लगी है।

कभी धर्म और सामाजिक व्यवस्था का केंद्र रहा रेम्बा मठ आज उपेक्षा और अव्यवस्था का शिकार होकर अपने अस्तित्व को बचाने की जंग लड़ रहा है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामाकुंडा में छात्र-छात्राओं को मिली साइकिल, खुशी से खिले चेहरे

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची: धनबाद जिले के तोपचांची प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, रामाकुंडा में शुक्रवार को छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित रहे। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के कई विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में दूरी और परिवहन की समस्या का सामना करना पड़ता है। साइकिल मिलने से छात्र-छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में सुविधा होगी तथा उनकी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रह सकेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कार्य कर रही है ताकि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे।

साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में कम समय लगेगा और पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी और विद्यालय में उनकी उपस्थिति बेहतर होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने तथा नियमित रूप से विद्यालय आने की अपील की।

मौके पर टुंडी विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण, अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फतेहपुर मुखिया की मनमानी से 125 अबुआ आवास लाभुक परेशान, मनरेगा मजदूरी भुगतान नहीं होने पर डीसी से लगाई गुहार

आवास लगभग तैयार, खिड़की-दरवाजे के लिए भटक रहे गरीब पंचायत सचिव ने कहा- मैंने दस्तखत किए, मुखिया नहीं कर रहे हस्ताक्षर समाधान नहीं होने पर टुंडी प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठेंगे लाभुक

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक, धनबाद(टुंडी):धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी क्षेत्र की फतेहपुर पंचायत में मुखिया के कथित स्वेच्छाचारी रवैये के कारण करीब 125 अबुआ आवास योजना के लाभुक भारी मानसिक और आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। अधिकांश लाभुकों के आवास निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है, लेकिन उन्हें मनरेगा मद से मिलने वाली मजदूरी का भुगतान अब तक नहीं किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रत्येक अबुआ आवास लाभुक को मनरेगा योजना के तहत मजदूरी भुगतान मद में 20,000 की राशि मिलनी तय है। सत्र 2023-24 और 2024-25 के लंबित इन आवासों का ढांचा लगभग बनकर तैयार हो चुका है और सिर्फ दरवाजा-खिड़की लगना ही बाकी है। इसके बावजूद, पंचायत के एक भी लाभुक को मजदूरी मद की राशि नहीं मिली है।मिस्त्री और मजदूरों के तगादे से त्रस्त हैं ग्रामीणभुगतान न होने के कारण मकान बना रहे

मिस्त्री और मजदूर प्रतिदिन अपनी मजदूरी के लिए लाभुकों को तंग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, टुंडी प्रखंड कार्यालय द्वारा भी आवास निर्माण को जल्द से जल्द पूर्ण करने का लगातार दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में लाभुक दोहरी मुसीबत में फंस गए हैं।उपायुक्त से मिलकर न्याय की गुहारमामले की गंभीरता को देखते हुए फतेहपुर पंचायत के दर्जनों लाभुकों ने धनबाद मुख्यालय जाकर उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन से मुलाकात की। ग्रामीणों ने डीसी को एक ज्ञापन सौंपकर अविलंब मनरेगा मजदूरी का भुगतान कराने की मांग की है। धनबाद जाने वाले लाभुकों में रसोदी देवी, मुन्नी देवी, शांति देवी, भवानी देवी, बच्चू देवी, फुदवा देवी, चौलिया देवी, गुजरी देवी, सुनीता देवी, सोनमती देवी और ननिहा देवी समेत दो दर्जन से अधिक ग्रामीण शामिल थे। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के आवास विहीन लोगों को पक्का मकान देने को प्राथमिकता बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय मुखिया अपने निजी स्वार्थ के कारण सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को दरकिनार कर रहे हैं।अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के विरोधाभासी बयानइस पूरे मामले पर जब फतेहपुर के पंचायत सचिव भीम पदो रविदास से पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "मैंने अपनी तरफ से डिमांड पेपर (मांग पत्र) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

लेकिन जब मुखिया जी ही हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं, तो मैं इसमें क्या कर सकता हूं।"वहीं इसके विपरीत, फतेहपुर पंचायत के मुखिया दुबाई मुर्मू ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उन्हें अबुआ आवास योजना के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है।धरना प्रदर्शन की चेतावनी पीड़ित लाभुकों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा मामले का संज्ञान लेकर उनकी मजदूरी का भुगतान जल्द से जल्द नहीं कराया गया, तो वे टुंडी प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठने के लिए मजबूर होंगे।

नशा मुक्त रामगढ़ की ओर प्रशासन के सख्त कदम: नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन समिति की बैठक में बनी रणनीति

डी के राठौर,आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

रामगढ़: जिले को नशा मुक्त बनाने और युवाओं को नशे के जाल से बचाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से कमर कस चुका है। शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त रामगढ़ श्री ऋतुराज की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन समिति (एनकॉर्ड) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

दवा दुकानों पर होगी कड़ी निगरानी

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि पूरे जिले में दवा दुकानों की सघन जांच की जाएगी। उन सभी दवाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, जिनका उपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। दुकानदारों को निर्देशित किया गया है कि वे ऐसी दवाओं की बिक्री और स्टॉक का नियमित प्रतिवेदन जिला प्रशासन को समय पर उपलब्ध कराएं। कोताही बरतने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ेगी सुरक्षा

असामाजिक तत्वों और युवाओं द्वारा रात्रि के समय सार्वजनिक स्थलों पर नशा करने की घटनाओं को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को ऐसे चिन्हित स्थलों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इन क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी (लाइट) की व्यवस्था और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे लगवाने पर भी जोर दिया गया है।

विद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में ह्यनो-ड्रग जोनह्न

युवा पीढ़ी को नशे से सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने शिक्षा संस्थानों को सुरक्षा घेरे में लेने का निर्णय लिया है। जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि जिले के सभी विद्यालयों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री न हो। इस दायरे में व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषी पाए जाने पर दुकानदारों पर सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जागरूकता के जरिए नशा मुक्ति का लक्ष्य

उपायुक्त ने जोर दिया कि नशा मुक्ति का अभियान केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए एक विस्तृत रोस्टर तैयार करने को कहा गया है, जिसके आधार पर जिले भर में प्रभावी नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में स्थापना उप समाहर्ता सह प्रभारी सामान्य शाखा पदाधिकारी श्रीमती रीना कुजूर सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन की इस पहल को जिले में नशे के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है।

झारखंडी अस्मिता और जल-जंगल-जमीन पर आधारित फिल्म सहरिया द जंगल ऑफ वॉरियर 5 जून को होगी रिलीज

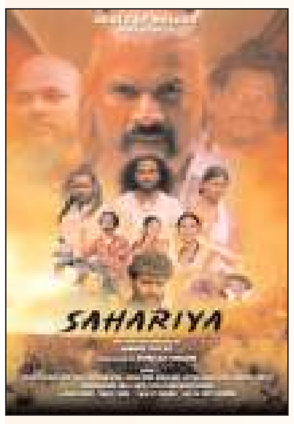

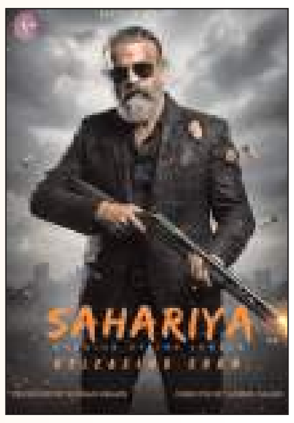

संवाददाता, संजय कुमार

रांची। झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जल-जंगल-जमीन और आदिवासी अस्मिता की पृष्ठभूमि पर आधारित बहुप्रतीक्षित नागपुरी फिल्म सहरिया द जंगल ऑफ वॉरियर अब रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

आज रांची गलेक्सिया मॉल स्थित पी वी आर में फिल्म का प्रीमियर शो का आयोजन किया गया था, जिसमे मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कांके विधायक सुरेश बैठा, विधायक दशरथ गगराई, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस रांची महानगर अध्यक्ष कुमार राजा , आदिवासी समाज की क्रांति कारी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा एवं नागपुरी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार और सिंगर भी भव्य प्रीमियर शो में शामिल हुए।

फिल्म के इंटरवल में रफ्तार मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक राजेश कच्छप ने कहा झारखंड की समसायिक मुद्दों पर आधारित यह फिल्म बहुत ही अच्छी बनी है इस फिल्म में मानव तस्करी को दिखाया गया है, झारखंड की कला संस्कृति, खूबसूरत वादियों को दिखाया गया है, फिल्म में साऊथ फिल्म का झलक भी देखने को मिला है, आशा करते हैं इसी पतरह नागपुरी फिल्म इंडस्ट्री तरक्की की राह पर चलते रहे, झारखंड के लोगों से मेरा अपील है की फिल्म देखने जरूर पहुंचे।

तमाम अतिथियों ने फिल्म देखने के बाद कलाकारों के अभिनय का सराहना करते हुए नजर आये, कहा झोलीउड फिल्म इंडस्ट्री अब अपने बुलंदियों पर है हमें अपनी माटी की कला संस्कृति को सहेजने के साथ साथ बढ़ावा देने की जरूरत है।

5 जून को कई मल्टीप्लेक्स में फिल्म होगी रिलीज

यह फिल्म आगामी 05 जून को झारखंड सहित देश के कुछ अन्य राज्यों के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी।

फिल्म में राजू तिर्की चरण मुंडा के साउथ लुक में दर्शकों को तालियां पिटने पर मजबूर कर दिया, वहीं सतीश शाहदेव नेगेटिव किरदार तिवारी के रोल में एक अलग छवी बनाने में कामयाब हुए हैं। सिंगर से अभिनेता बने नितेश कच्छप भी अलग किरदार में जान डाल दिया है।

पहली बार दर्शकों को नागपुरी फिल्म में वी एफ एक्स और अनिमेशन का सिनेमेटोग्राफि देखने को मिलेगा।

यह फिल्म न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि इसमें समाज से जुड़े गंभीर मुद्दों को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का निर्माण रोशन उरांव के निर्देशन में तथा अनमोल खलखो के सहयोग से किया गया है। इसे बिट्स ऑफ मेलोडी प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले तैयार किया गया है। फिल्म के तकनीकी पक्ष को भी उच्च स्तर पर तैयार किया गया है, जिसमें डीआई और मास्टर प्राइम मिक्सिंग चंडीगढ़ (पंजाब) में की गई है।

झारखंड की ज्वलन्त मुद्दों के इर्द गिर्द है पटकथा

फिल्म की कहानी झारखंड के ग्रामीण और आदिवासी जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें जल-जंगल-जमीन की रक्षा, सामाजिक संघर्ष और विशेष रूप से मानव तस्करी (ूमन ट्रैफिकिंग) जैसे गंभीर और ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है। इसके साथ ही फिल्म में झारखंड के वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी विशेष रूप से दशार्या गया है, जिससे यह फिल्म ऐतिहासिक और सामाजिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण बन जाती है।

मल्टी स्टारार अभिनेताओं से सजा है फिल्म

फिल्म के मुख्य कलाकारों में राजू तर्की, नितेश कच्छप, आशीष तिग्गा, भूषण नायक, रंजू मिंज, चांदनी बड़ाइक, एंजेल लकड़ा, प्रिया वर्मा, ईशा बड़ाईक और अंशु अग्रवाल शामिल हैं। वहीं नकारात्मक भूमिकाओं में सतीष सहदेव, दीपक लोहार और रवि राज ने अभिनय किया है। फिल्म का छायांकन धीरज डेनियल एवं सैम्यूल लकड़ा ने किया है, जबकि संपादन रे शर्मा द्वारा किया गया है।

फिल्म के निर्देशक अनमोल खलखो ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में झारखंडी दर्शकों के बीच स्थानीय फिल्मों के प्रति रुचि और समर्थन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे समय में सहरिया जैसी भव्य और विषय-प्रधान फिल्म का आगमन झॉलीवुड (झारखंडी फिल्म इंडस्ट्री) के लिए नई उम्मीद और उत्साह लेकर आया है।

अभी हाल ही में डायरेक्टर पुरुषोत्तम एनपीके के निर्देशन में बनी फिल्म सेरेंग रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है चौथे सप्ताह भी हॉउसफुल चल रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड फिल्म इंडस्ट्री के लगभग 35 वर्षों के सफर में यह फिल्म एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें संगीत, संवाद, सिनेमैटोग्राफी और कहानी का समन्वय दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में सक्षम है।

फिल्म से जुड़े लोगों का मानना है कि सहरिया झारखंडी भाषा और सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

धनवार नगर पंचायत अध्यक्ष ने डाक बंगला का किया निरीक्षण,मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाने की सोंच

राजधनवार--:धनवार नगर पंचायत अध्यक्ष विनय संथालिया ने शुक्रवार को राजधनवार डाक बंगला परिसर का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने परिसर की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा इसके बेहतर उपयोग को लेकर अधिकारियों व स्थानीय लोगों से चर्चा की।नगर अध्यक्ष श्री संथालिया ने कहा कि धनवार के प्रमुख व व्यस्त स्थल पर स्थित डाक बंगला की भूमि व भवन का समुचित विकास कर इसे एक आधुनिक एवं भव्य मार्केट कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किए जाने की व्यापक संभावनाएं हैं। यदि सरकार व संबंधित विभागों के स्तर पर आवश्यक स्वीकृति प्राप्त होती है तो यह परियोजना धनवार नगर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मार्केट कॉम्प्लेक्स के निर्माण से स्थानीय युवाओं एवं बेरोजगारों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कॉम्प्लेक्स में विभिन्न प्रकार की दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा आवश्यक सुविधाओं के विकसित होने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।नगर अध्यक्ष ने बताया कि

वर्तमान समय में धनवार तेजी से विकसित हो रहा है और व्यापारिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में नगर क्षेत्र के मध्य स्थित इस महत्वपूर्ण संपत्ति का जनहित में बेहतर उपयोग किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में एक व्यवहारिक एवं दूरदर्शी योजना तैयार कर सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखा जा सकता है।

श्री संथालिया ने यह भी कहा कि मार्केट कॉम्प्लेक्स के निर्माण से नगर पंचायत क्षेत्र में राजस्व संग्रह में वृद्धि होने की संभावना है। इससे नगर क्षेत्र में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था व अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।नगर अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह एक संभावित विकास योजना है, जिसके विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर संबंधित विभागों के समक्ष प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनहित एवं क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मौके पर नगर उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नंदन कुमार, वार्ड पार्षद राज साव, रजनीश वर्णवाल आदि कई मौजूद

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

संवाददाता समामा औसाल, धनबाद : प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पर आज समाहरणालय के सभागार में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन उप विकास आयुक्त सन्नी राज तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर सभी महिला पर्यवेक्षिका एवं सीडीपीओ को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस योजना से एक भी योग्य लाभुक वंचित नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक प्रमुख मातृत्व लाभ योजना है। जिसके तहत गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पहले बच्चे के जन्म के समय पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के लिए आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में दी जाती है।

योजना का लाभ उठाने के लिए गर्भवती महिलाओं को अपने निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र या आशा कार्यकर्ता के पास पंजीकरण करवाना होता है। योजना के तहत पहले बच्चे के लिए ?5,000 और दूसरे बच्चे के रूप में बालिका के जन्म पर ?6,000 की वित्तीय सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान महिलाओं और अजन्मे बच्चे के लिए पौष्टिक आहार सुनिश्चित करना है। वहीं काम करने वाली महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान मजदूरी के नुकसान की आर्थिक रूप से भरपाई करना भी योजना में शामिल है। उन्होंने बताया कि वैसी सभी गर्भवती माताएं जो केंद्र/राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक उपक्रम में नियमित कर्मचारी नहीं हैं और जिन्हें पहले से मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं मिल रहा, वे इस योजना के लिए पात्र हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से इसके लिए आवेदन किया जा सकता है।

जनता दरबार में सुनी गई आमजनों की समस्याएं

संवाददाता समामा औसाल, धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार आज जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुना तथा प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन का आश्वासन दिया।

जनता दरबार में झरिया, धनबाद, हीरापुर, पूर्वी टुंडी, सरायढेला, तोपचांची, सिंदरी सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं।

इस दौरान वोटर लिस्ट में मैपिंग कराने, अवैध रूप से रास्ता बंद करने, सार्वजनिक सड़क की जमीन पर अतिक्रमण करने, खतियानी जमीन पर जबरन कब्जा करने, जान से मारने की धमकी देने, जाति प्रमाण पत्र, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने, मुआवजा, छात्रवृत्ति सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

धनबाद में भारी बारिश से जलजमाव, मेयर संजीव सिंह ने सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला; अधिकारियों को दिए स्थायी समाधान के निर्देश

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद धनबाद शहर के कई इलाकों में जलभराव और नाली जाम होने से स्थिति गंभीर हो गई। इस संकट के बीच धनबाद मेयर संजीव सिंह पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने बारिश के बीच खुद जलजमाव वाले विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर राहत और सफाई कार्यों का जायजा लिया और निगम अधिकारियों को ड्रेनेज व्यवस्था को स्थायी रूप से दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए।हटाया गया विशाल पेड़ः बिग बाजार के पास सड़क पर एक विशाल पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया था। मेयर ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर निगम कर्मियों की मदद से पेड़ हटवाया और आवागमन बहाल कराया।तपोवन कॉलोनी में सफाईः भारी जलभराव का सामना कर रही इस कॉलोनी में मेयर ने तत्काल जाम नालियों को साफ करवाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की।शिवांश एंक्लेव का निरीक्षणः विद्यापति नगर स्थित शिवांश एंक्लेव में जलजमाव की शिकायत पर मेयर अधिकारियों संग पहुंचे और भविष्य में ऐसी समस्या न हो, इसके लिए ड्रेनेज सिस्टम सुधारने को कहा।न्यू बैंक कॉलोनी में पहलः कचरे से जाम नालियों को तुरंत साफ कराया गया और जलभराव के स्थायी समाधान के लिए अधिकारियों के साथ विस्तृत रणनीति बनाई गई।"जनता की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जहां भी शिकायतें मिल रही हैं, वहां तुरंत राहत पहुंचाई जा रही है। भविष्य में जलजमाव से मुक्ति के लिए एक व्यापक और स्थायी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।"– संजीव सिंह, मेयर, धनबाद

धनबाद जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है

रफ़्तार मीडिया संवाददाता समामा औसाल, निरसा : धनबाद जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है।

एसएसपी धनबाद के निर्देश पर निरसा पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी लीलेश्वर महतो के नेतृत्व में चिरकुंडा थाना क्षेत्र के नेहरू रोड मोड़ के समीप जीटी रोड पर देर रात तक सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।

इस दौरान सड़क से गुजरने वाले सैकड़ों बाइक और चार पहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस की नजर खास तौर पर मादक पदार्थ, अवैध हथियार, शराब और संदिग्ध गतिविधियों पर रही। वहीं अपराधी किस्म के लोगों की पहचान को

लेकर भी पुलिस पूरी तरह सतर्क दिखी।

अभियान के दौरान बराकर के एक व्यवसाई की फॉर्च्यूनर गाड़ी से काली फिल्म हटाई गई। हालांकि इस दौरान व्यवसाई पुलिस पर दबाव बनाने और सीएम का नाम लेकर धौंस दिखाने की कोशिश करते नजर आए, लेकिन पुलिस ने नियमों का पालन कराते हुए गाड़ी से काला शीशा उतरवा दिया।

जांच अभियान का नेतृत्व स्वयं एसडीपीओ लीलेश्वर महतो और चिरकुंडा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि कानून सभी के लिए समान है और नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसडीपीओ लीलेश्वर महतो ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पूरे निरसा पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के उद्देश्य से एसएसपी के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जांच के दौरान वाहनों के कागजात, संदिग्ध सामान और काला शीशा लगे वाहनों की विशेष रूप से जांच की जा रही है। साथ ही देर रात तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

फिलहाल पुलिस की इस कार्रवाई से जहां अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम लोगों ने भी सघन जांच अभियान की सराहना की है।

पेट्रोल पंप के पास खड़े वाहनों से डीजल और बैटरी चोरी, एक लाख का नुकसान

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता चान्हो। चान्हो थाना क्षेत्र के पकरियो गांव से चोरी की एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से लोगों में दहशत का माहौल है। ताजा मामले में चोरों ने पकरियो स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों को निशाना बनाते हुए सैकड़ों लीटर डीजल और कई बैटरियों की चोरी कर ली।

जानकारी के अनुसार, चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर सड़क किनारे खड़ी दो जेसीबी और दो 12 चक्का ट्रकों से करीब 350 लीटर डीजल एवं कई बैटरियां चोरी कर लीं। सुबह वाहन चालकों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

बताया गया कि अजीत सिंह की जेसीबी से एक बैटरी और 40-50 लीटर डीजल, अरशद अंसारी की जेसीबी से करीब 50 लीटर डीजल, मोहम्मद वहाब के ट्रक से दोनों बैटरियां एवं लगभग 150 लीटर डीजल तथा अतिकुर रहमान के ट्रक से करीब 150 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। वाहन मालिकों के अनुसार कुल नुकसान करीब एक लाख रुपये का हुआ है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने थाना के नजदीक लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि इससे पहले भी चान्हो बाजार में मोबाइल दुकान लूट, बीएसएनएल टावर से चोरी तथा बंद घरों में चोरी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं।

इधर, वाहन मालिकों ने चान्हो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

ट्रांसजेंडर मानसिक स्वास्थ्य और जेंडर संवर्धन पर कार्यशाला

एनएचएम के एमडी ने साझा की राय। रांची में ट्रांसजेंडर मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता संजय कुमार रांची

झारखंड की राजधानी रांची में ट्रांसजेंडर मानसिक स्वास्थ्य और जेंडर अफर्मेटिव काउंसलिंग पर एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशाला की मुख्य बातें

कार्यशाला में बताया गया कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को समझने और उनके लिए उचित काउंसलिंग प्रदान करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के प्रबंध निदेशक ने इस पहल की सराहना की और इसके महत्व पर जोर दिया। उनके अनुसार, समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है ताकि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

राजगंज के चुंगी में ठनका गिरने से महिला की मौत, परिवार में पसरा मातम

तोपचांची/रफ्तार मीडिया

तोपचांचीः राजगंज दलूडीह पंचायत अंतर्गत चुंगी में शुक्रवार को ठनका गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और मृतका के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार सपना देवी (45 वर्ष) शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे तालाब में स्नान कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान मौसम अचानक बदल गया और तेज गर्जना के साथ ठनका गिरा। इसकी चपेट में आने से सपना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल महिला को तत्काल कतरास स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

झारखंड कैंसर सेंटर के स्थापना दिवस पर सर्वाइवर्स ने साझा किए अनुभव, डॉक्टरों ने समय पर इलाज पर दिया जोर

संवाददाता संजय कुमार रांची

राजधानी रांची के कोकर स्थित झारखंड कैंसर सेंटर ने बुधवार को अपना तृतीय स्थापना दिवस कैंसर सर्वाइवर मीट और प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल की उपलब्धियों को साझा करने के साथ लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और यह संदेश देना था कि समय पर जांच और सही उपचार से कैंसर को हराया जा सकता है।

100 बेड का समर्पित कैंसर अस्पताल

100 बेड वाले इस समर्पित कैंसर अस्पताल ने कम समय में झारखंड सहित आसपास के राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाई है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य कैंसर मरीजों को एक ही छत के नीचे आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। स्थापना के तीन वर्षों में सेंटर ने हजारों मरीजों को उपचार सेवाएं दी हैं और मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम के साथ समग्र देखभाल का मॉडल अपनाया है।

डॉक्टरों ने समय पर जांच की अपील की

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अस्पताल की निदेशक श्वेता नारायण, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. कुमार सौरव, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अमर प्रेम, डॉ. आनंद महम और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. महेंद्र अघोरी ने मीडिया को संबोधित किया। डॉक्टरों ने कहा कि यदि कैंसर की समय पर जांच हो जाए तो उसका उपचार काफी आसान और प्रभावी हो सकता है। उन्होंने लोगों से शुरूआती लक्षणों जैसे असामान्य गांठ, लंबे समय तक न भरने वाला घाव, वजन घटना, लगातार थकान आदि को नजरअंदाज नहीं करने

और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की।

\डॉ. कुमार सौरव ने बताया कि कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसी आधुनिक दवाएं अब अधिक प्रभावी और कम दुष्प्रभाव वाली हो गई हैं। डॉ. अमर प्रेम ने कहा कि सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में मिनिमली इनवेसिव तकनीक से मरीजों की रिकवरी तेज हुई है। निदेशक श्वेता नारायण ने कहा कि सेंटर भविष्य में रेडिएशन और पैलिएटिव केयर सेवाओं का भी विस्तार करेगा ताकि मरीजों को उनके घर के करीब बेहतर उपचार मिल सके।

सर्वाइवर्स ने दी प्रेरणा

कार्यक्रम का सबसे भावुक हिस्सा कैंसर सर्वाइवर्स के अनुभव साझा करना रहा। कैंसर को मात देकर स्वस्थ जीवन जी रहे कई मरीजों ने बताया कि सही समय पर इलाज, डॉक्टरों की सलाह और परिवार के सहयोग से उन्होंने गंभीर बीमारी को हराया। एक सर्वाइवर ने कहा कि शुरूआती स्टेज में पता चलने पर इलाज का खर्च भी कम होता है और जीवन बचने की संभावना बढ़ जाती है। उनके अनुभवों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को भावुक भी किया और जांच के लिए प्रेरित भी।

भविष्य की योजनाएं

अस्पताल प्रबंधन ने झारखंड की जनता, डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों का आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि झारखंड कैंसर सेंटर आने वाले समय में भी अत्याधुनिक और मानवीय कैंसर उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करेगा। जागरूकता शिविर, स्क्रीनिंग कैंप और कम लागत वाली जांच को बढ़ावा देना सेंटर की प्राथमिकता में शामिल है।

स्थापना दिवस समारोह में अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में मरीज एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।